आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, बुधवार 09 सितंबर 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 269
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

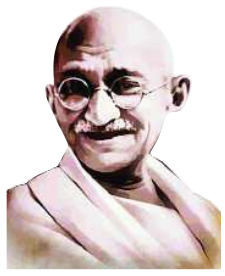

राष्ट्रपिता को नमन...

मनाया जश्न...

■ इंदौर। लगभग 20 साल से सत्ता से दूर रही कांग्रेस पार्टी में वैसे ही जश्न मनाने के अवसर कम ही दिखाई दिए। लंबे समय बाद कल जब राहुल की गूंज कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन की संख्या एक लाख पार हो गई तो कांग्रेसियों ने इसे जश्न का अवसर बना दिया।

भाव कम होने का फायदा उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा

सरकार के एक फैसले से शकर का खेल पलटा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शकर की कीमतों को लेकर पिछले करीब डेढ़ महीने से चल रही हलचल अब एक बड़े बदलाव के दौर में पहुंच गई है। जुलाई और अगस्त के दौरान जिस शकर का एक्स-मिल भाव करीब 44 रुपये प्रति किलो के आसपास था, उसकी कीमत अचानक बढ़कर लगभग 70 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई थी।

इस तेज उछाल ने शकर उद्योग से लेकर थोक कारोबारियों और आम उपभोक्ताओं तक सभी की चिंता बढ़ा दी थी। लेकिन अब बाजार ने अचानक करवट ली है और शकर के एक्स-मिल भाव में तेज गिरावट देखने को मिली है। सरकारी सख्ती, बाजार में जमा

अतिरिक्त स्टॉक के निकलने, थोक खरीदारों की नई खरीद कमजोर पड़ने और आयात के फैसले के बाद शकर के दाम तेजी से नीचे आए हैं। हालात यह हैं कि एक्स-मिल भाव एक बार फिर 44-45 रुपये प्रति किलो के आसपास पहुंच गया है। यानी तेजी के दौरान जितनी बढ़ोतरी हुई थी, उसका लगभग पूरा हिस्सा अब खत्म हो चुका है। इसका फायदा अभी सीधे आम उपभोक्ताओं को पूरी तरह नहीं मिला है। खुदरा बाजार में शकर अभी भी करीब 60 से 63 रुपये प्रति किलो के आसपास बिक रही है। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि जब मिल स्तर पर शकर के भाव इतनी तेजी से गिर गए हैं तो दुकानों पर इसकी कीमत अभी भी इतनी ज्यादा क्यों है?

एक्स-मिल भाव गिरा, लेकिन दुकानों पर शकर अभी महंगी

शकर उद्योग से जुड़े कारोबारियों के मुताबिक एक्स-मिल कीमत और खुदरा कीमत के बीच तुरंत समानता नहीं आती। मिल से निकलने के बाद शकर कई स्तरों से गुजरती है। सबसे पहले यह थोक कारोबारी के पास पहुंचती है, फिर वितरक और उसके बाद खुदरा दुकानदार तक जाती है।

न्यूज ब्रीफ

'हनुमान अंश' ने 'धुरंधर' व 'बाहुबली' को चटा दी धूल

मुंबई (एजेंसी) ● पहले दिन सिर्फ इसने 10 लाख रुपये की ओपनिंग की थी। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते गए, उसी तरह इसकी कमाई भी बढ़ती गई है। अब ये फिल्म 170 करोड़ के आंकड़े को छूने से कुछ ही दूर हैं। इसकी कमाई का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसने धुरंधर बाहुबली जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों को भी पछाड़ दिया है।

नॉनवेज न खाने के बयान पर धीरेंद्र शास्त्री की मुश्किलें बढ़ीं

कोलकाता (एजेंसी) ● बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री की दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहारी भोजन छोड़ने की कथित अपील को लेकर पश्चिम बंगाल में विवाद बढ़ गया है। दक्षिण कोलकाता जिला कांग्रेस कमेटी ने उनके खिलाफ भवानीपुर थाने में पुलिस शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई और प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद की ओर से दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि धीरेंद्र शास्त्री ने 5 सितंबर को हावड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ऐसी टिप्पणियां कीं, जिनसे बंगालियों की धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती हैं।

सागर जा सकते हैं मुख्यमंत्री, बड़े अधिकारियों पर गिर सकती है गाज

सागर (एजेंसी) ● जहरीली शराब से हुई मौतों को लेकर राज्य सरकार सकते में आ गई है। दुबई से लौटने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सागर जा सकते हैं। संभावना जताई जा रही है कि आज उनके दौरे के बाद जिले के कलेक्टर, आबकारी आयुक्त पर भी गिर सकती है गाज।

लवकुश फ्लाईओवर की दूसरी भुजा पर ट्रैफिक इसी माह में शुरू होगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के व्यस्ततम लवकुश चौराहे पर निर्माणाधीन डबल डेकर फ्लाईओवर की दूसरी भुजा भी जल्द ही यातायात के लिए खोलने की तैयारी है। निर्माण एजेंसी और इंदौर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार मौसम अनुकूल रहा तो सितंबर के अंतिम पखवाड़े में दूसरी भुजा पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो सकती है।

सभी स्पान जोड़े जा चुके हैं- फ्लाईओवर की दूसरी भुजा के सभी स्पान जोड़े जा चुके हैं और कांक्रीट का काम भी पूरा हो गया है। फिलहाल आवश्यक क्यूरिंग अवधि पूरी की जा रही है। इसके बाद डामरीकरण का काम किया जाएगा। फ्लाईओवर पर डामर की दो परतें बिछाई जाएंगी, जिसके बाद फिनिशिंग का काम पूरा कर यातायात शुरू करने की तैयारी है।

सिंहस्थ से पहले बड़ी राहत- लवकुश चौराहा इंदौर-उज्जैन मार्ग, सुपर कॉरिडोर, एमआर-10 और बाणगंगा क्षेत्र को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण जंक्शन है। यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। फ्लाईओवर की दोनों भुजाएं शुरू होने और नीचे की सर्विस रोड व्यवस्थित होने से आगामी सिंहस्थ 2028 की यातायात व्यवस्था को भी बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि अंतिम तारीख मौसम और डामरीकरण सहित शेष तकनीकी कार्य पूरे होने पर ही तय होगी।

सर्विस रोड भी होगी बेहतर

फ्लाईओवर के साथ चौराहे के आसपास सर्विस रोड का निर्माण भी तेजी से जारी है। अधिकारियों का लक्ष्य सितंबर तक सर्विस रोड का काम पूरा करने का है। फ्लाईओवर पर लाइट पोल लगाने का काम पूरा हो चुका है। लवकुश फ्लाईओवर करीब 175 करोड़ रुपये की लागत से 1454 मीटर लंबा और छह लेन का बनाया जा रहा है। यह मेट्रो कॉरिडोर के ऊपर से गुजरता है और इसकी अधिकतम ऊंचाई करीब 23 मीटर है। परियोजना में 400-400 टन वजन के दो बड़े बो-स्ट्रिंग गर्डर भी लगाए गए हैं।

वर्षों बाद खुली निगम की आंखें, दुकानें किसे आवंटित, चला कौन रहा है

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम अपने सभी मार्केट में इन दिनों सर्वे का अभियान चला रहा है जिसके अंतर्गत दुकानदारों को अपनी दुकान से संबंधित दस्तावेज निगम में जमा करने के निर्देश दिए हैं। इनमें से अधिकतर दुकानदारों ने नगर निगम में अपने दुकानों से संबंधित दस्तावेज जमा कराए भी हैं। इसी बीच यह भी कहा जा रहा है कि पात्रता पाए जाने पर उक्त दुकानदारों के नामांतरण भी किए जा सकते हैं।

बताया जा रहा है कि शहर भर में निगम मार्केट के अधीन चलने वाली दुकानों के मामले में अब जांच अभियान नगर निगम चला रहा है। इसमें सभी दुकानदारों को पहले नोटिस के माध्यम से भी सूचना पत्र जारी किया था, जिसके अंतर्गत अपने व्यापार व्यवसाय और दुकान से संबंधित सारे दस्तावेज निगम के मार्केट विभाग में जमा करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, नगर निगम यह चाह रहा है कि वर्षों पहले जो दुकान आवंटित हुई थी वह आज भी अपना व्यापार कर रहा है या फिर किसी दूसरे को बेच दी है और अगर बेची है तो कितने लोग हैं। इसके बाद जांच आदि दस्तावेजों की जांच भी करने का निर्देश खुद कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने दिए थे। इसके अंतर्गत यह भी कहा जा रहा है कि अगर दुकानों के दस्तावेज सही पाए गए तो ऐसे दुकानदारों के नाम भी किया जा सकता है। अभी की स्थिति में केवल जांच अभियान चलाए हुए हैं और निगम की टीम पहुंचकर सर्वे भी कर रही है। अभी हाल ही में बड़े पैमाने पर कई दुकानदारों के समक्ष सर्वे टीम भी पहुंची थी और वहां मौके पर ही दस्तावेजों की जांच भी की गई है। ऐसे दुकानदारों को निगम में सभी दस्तावेज जमा करने के लिए कहा गया है।

इंदौर के गांव भी बनेंगे स्वच्छता में नंबर वन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता अभियान को लेकर नई रणनीति तैयार की जा रही है। शहर भले ही देश में स्वच्छता के मामले में शीर्ष पर हो, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति अलग नजर आती है। जिले की 334 ग्राम पंचायतों में से आधी से ज्यादा पंचायतों में कचरा उठाने के लिए गाड़ियां उपलब्ध नहीं हैं। वर्तमान में केवल 145 ग्राम पंचायतों में ही कचरा गाड़ियां चल रही हैं। पंचायतों के पास कुल 200 कचरा गाड़ियां हैं, जिनमें से 52 गाड़ियां खराब पड़ी हैं। इसके कारण ग्रामीण इलाकों में कचरा उठाने और उसके निपटान की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जिला पंचायत स्तर पर योजना बनाई जा रही है।

78 साल बाद धार में पहुँची पहली ट्रेन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

धार ● भारत की पहली पैसेंजर ट्रेन 1853 में चली थी, जबकि पहली राजधानी ट्रेन आज़ादी के 22 साल बाद 1969 में शुरू हुई थी। लेकिन, मध्य प्रदेश के धार ज़िले के लिए- जो कभी 11वीं सदी के परमार शासक राजा भोज की राजधानी हुआ करता था- ज़ोरदार सीटी बजाती हुई पैसेंजर ट्रेन का इंतज़ार लंबा खिंचता गया — और यह इंतज़ार मंगलवार को खत्म हुआ।

आदिवासी बहुल इस ज़िले के इतिहास में एक यादगार दिन पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के वडोदरा से वर्चुअली एक नई 12-कोच वाली स्वदेश पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी

दिखाई। यह ट्रेन प्रताप नगर-वडोदरा और धार ज़िले के टांडा रोड स्टेशन के बीच चलेगी।

इस ट्रेन के चलने से छोटा उदयपुर-धार रेल लाइन के जोबाट-टांडा रोड सेक्शन की आधिकारिक शुरुआत हुई। इससे धार और अलीराजपुर ज़िलों के आदिवासी इलाकों से गुजरात के छोटा उदयपुर और वडोदरा क्षेत्रों तक सीधी रेल कनेक्टिविटी मिल गई है।

इस मौके के लिए फूलों और उत्सव वाले बैनरों से सजाए गए टांडा रोड स्टेशन पर, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने स्थानीय लोगों की भारी भीड़ के साथ ट्रेन का स्वागत किया। यात्री रेल सेवा के लिए जिले के आठ दशकों के इंतज़ार को खत्म करते हुए, यात्रियों ने बड़े जश्न के माहौल में अपनी पहली यात्रा पूरी की।

एक माह बाद भी कांग्रेस के विभाग-प्रकोष्ठों में नियुक्तियां नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश कांग्रेस में संगठन के पुनर्गठन के नाम पर भंग किए गए 60 से अधिक विभाग और प्रकोष्ठों में नई नियुक्तियां एक माह बाद भी अटक गई हैं। इन विभागों और प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति नहीं हुई है और न ही नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इसके कारण पार्टी के विभिन्न विभागों और प्रकोष्ठों की संगठनात्मक गतिविधियां फिलहाल ठप हैं।

कांग्रेस ने 5 अगस्त को प्रदेश, जिला और ब्लॉक स्तर पर अपने सभी विभागों और प्रकोष्ठों की इकाइयों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया था। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने यह आदेश जारी किया था। इसके पहले नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में मध्यप्रदेश के जिला कांग्रेस अध्यक्षों के साथ संगठन को लेकर बैठक हुई थी। पार्टी की ओर से उस समय कहा गया था कि संगठन को नए सिरे से मजबूत करने और आगामी चुनावों को देखते हुए पुनर्गठन किया जा रहा है। 60 से अधिक विभाग और प्रकोष्ठों को भंग करने के बाद इनमें नए और सक्रिय नेताओं को जिम्मेदारी दिए जाने की बात सामने आई थी। लेकिन 31 दिन गुजरने के बाद भी नई नियुक्तियों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

कार्यकर्ताओं में बढ़ी बेचैनी, असमंजस की स्थिति

विभागों और प्रकोष्ठों में अध्यक्ष और कार्यकारिणी नहीं होने से इनसे जुड़े कार्यकर्ताओं में भी असमंजस की स्थिति है। कई नेता अपने-अपने विभाग में जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं। पार्टी के अंदर संगठन के आकार को छोटा करने और सक्रिय नेताओं को जिम्मेदारी देने पर भी मंथन चल रहा है। अगस्त के अंतिम सप्ताह की रिपोर्टों में प्रदेश कांग्रेस की मौजूदा कार्यकारिणी में भी बदलाव और नई छोटी कार्यकारिणी बनाए जाने की संभावना जताई गई थी।

गणपति बप्पा की मूर्ति को आकार देने में लगे मूर्तिकार

■ इंदौर। गणेश चतुर्थी के नजदीक आते ही मूर्ति कलाकार भगवान गणेश की प्रतिमा को अंतिम रूप देते नजर आ रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

एल्सटॉम के अग्रणी मेट्रो, सिग्नलिंग और मेंटेनेंस सॉल्यूशन इंदौर के एक्सटेंडेड नेटवर्क का संचालन करेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्मार्ट और सस्टेनेबल मोबिलिटी में ग्लोबल लीडर, एल्सटॉम ने आज इंदौर मेट्रो यलो लाईन के अगले चरण के लिए राजस्व ऑपरेशन शुरू किए। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) के साथ एल्सटॉम के कॉन्ट्रैक्ट के अंतर्गत 52 मोविया मेट्रो ट्रेन की डिलीवरी की जानी है, जिसमें सिग्नलिंग ट्रेन कंट्रोल और टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम के 7 सालों के मेंटेनेंस के साथ 15 सालों की कंप्रेहेंसिव मेंटेनेंस सेवाएं शामिल हैं। एल्सटॉम भारत में एकमात्र मल्टीनेशनल सस्टेनेबल मोबिलिटी प्रदाता कंपनी है, जिसके पास ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप एक विस्तृत पोर्टफोलियो है।

अरहित प्लस ने बड़े कॉन्क्लेव का आयोजन किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग लंबे समय से सिर्फ़ बड़ी संस्थाओं तक ही सीमित रही है इसके लिए ज़रूरी टूल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर और जानकारी आम रिटेल इन्वेस्टर की पहुँच से दूर थे। अब यह सब बदलने वाला है। अरिहंत कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के डिजिटल ट्रेडिंग प्लेटफ़ॉर्म अरिहंतप्लस ने 5 सितंबर 2026 को इंदौर में मध्य भारत के सबसे बड़े एआई और एल्गो ट्रेडिंग कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इसमें 400 से ज़्यादा लोग शामिल हुए, जिनमें ट्रेडर्स, इन्वेस्टर्स, टेक्नोलॉजी के शौकीन और मार्केट एक्सपर्ट्स एक साथ आए।

मुख्यमंत्री ने विश्व साक्षरता दिवस की शुभकामनाएं दीं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व साक्षरता दिवस की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा है कि अक्षर ज्ञान से आत्मविश्वास, शिक्षा से आत्मनिर्भरता और ज्ञान से सशक्त समाज का निर्माण होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'विश्व साक्षरता दिवस' पर शिक्षा का प्रकाश समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लेने का प्रदेशवासियों से आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हम सब यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा, युवा या वयस्क ज्ञान की रोशनी से वंचित न रहे। साक्षर मध्यप्रदेश ही समर्थ मध्यप्रदेश और विकसित भारत की मजबूत नींव है।

एसडीएम ने किया छात्रावास का निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अभिलाषा अभियान के अंतर्गत कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार एसडीएम लोकेंद्र सरल द्वारा सुदामानगर स्थित सीनियर अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास में छात्राओं के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था, पेयजल, आवासीय व्यवस्था तथा सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

एनएफएचएस-6 की रिपोर्ट में आई सेहत की तस्वीरों ने बढ़ाई स्वास्थ्य महकमे की चिंता

बीमा और स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ीं, फिर भी इंदौर जिले के 78.8 फीसदी बच्चे एनीमिक

● स्टंटिंग और कम वजन में सुधार, लेकिन वेस्टिंग बढ़ी ● 6-23 माह के सिर्फ 9.8 फीसदी बच्चों को पर्याप्त आहार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वच्छता और संस्थागत प्रसव के आंकड़ों में सुधार हुआ है, लेकिन बच्चों की पोषण स्थिति अब भी चिंता बढ़ा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के अनुसार इंदौर में 6 से 59 माह के 78.8 फीसदी बच्चे एनीमिया से प्रभावित हैं। पिछली रिपोर्ट में यह आंकड़ा 71.2 फीसदी था। यानी सुविधाएं बढ़ने के बावजूद बच्चों में खून की कमी की समस्या कम नहीं हुई।

स्वास्थ्य बीमा या वित्तीय सहायता योजना का कवरेज 15.7 फीसदी से बढ़कर 40.3 फीसदी हो गया है। बेहतर स्वच्छता सुविधा वाले परिवारों का प्रतिशत भी 75.2 फीसदी से बढ़कर 90 फीसदी हुआ। कुल लिंगानुपात 895 से बढ़कर 987 और जन्म के समय लिंगानुपात 849 से बढ़कर 996 हुआ है।

बच्चों की स्थिति देखें तो स्टंटिंग यानी उम्र के हिसाब से कम लंबाई का प्रतिशत 39.2 फीसदी से घटकर 28.7 फीसदी हुआ है। कम वजन वाले बच्चों का प्रतिशत भी 30.6 फीसदी से घटकर 24.9 फीसदी हुआ। लेकिन वेस्टिंग यानी लंबाई के अनुपात में कम वजन वाले बच्चों का आंकड़ा 17.8 फीसदी से बढ़कर 21.2 फीसदी हो गया। जिला फैक्ट शीट (2015-16), एनएफएचएस-5 इंदौर जिला फैक्ट शीट (2019-21) और एनएफएचएस-6 (2023-24)। एनएफएचएस-6 की इंडिया/राज्य फैक्ट शीट 29 मई 2026 को जारी हुई थी।

प्रसव के बाद देखभाल में बड़ा सुधार

इंदौर में प्रसव के दो दिन के भीतर पोस्टनेटल केयर पाने वाली माताओं का प्रतिशत 67.4 फीसदी से बढ़कर 92.6 फीसदी हो गया। संस्थागत प्रसव भी 94.7 फीसदी से बढ़कर 96.5 फीसदी हुआ है। इसके बावजूद बच्चों के खानपान की स्थिति कमजोर है। 6 से 23 माह के केवल 9.8 फीसदी बच्चों को पर्याप्त आहार मिल रहा है। एनएफएचएस-4 में यह आंकड़ा 10.3 फीसदी था।

78.8 फीसदी एनीमिया सबसे बड़ी चिंता

इंदौर में बच्चों का एनीमिया सबसे गंभीर संकेतक बनकर सामने आया है। 6-59 माह के बच्चों में एनीमिया 71.2 फीसदी से बढ़कर 78.8 फीसदी हो गया। महिलाओं में भी एनीमिया 46.8 फीसदी से बढ़कर 48.1 फीसदी हुआ है। यानी स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ने के साथ अब बच्चों के भोजन, आयरन और अन्य जरूरी पोषक तत्वों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

प्रदेश में भी पोषण की चुनौती

मध्यप्रदेश में भी बच्चों की पोषण स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। एनएफएचएस में स्टंटिंग 35.7 फीसदी से घटकर 31.4 फीसदी हुई, लेकिन वेस्टिंग 18.9 फीसदी से बढ़कर 23.8 फीसदी और कम वजन वाले बच्चों का प्रतिशत 33 फीसदी से बढ़कर 39.7 फीसदी हो गया। छह माह तक केवल स्तनपान कराने की दर भी 74 फीसदी से घटकर 56.4 फीसदी रह गई। वहीं 6-23 माह के सिर्फ 12 फीसदी बच्चों को पर्याप्त आहार मिल रहा है।

सुपर कॉरिडोर के पास नया बिजली ग्रिड पांच हजार उपभोक्ताओं को होगा लाभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सुपर कॉरिडोर के पास लवकुश चौराहा उज्जैन रोड के समीप नया 33/11 केवी सब स्टेशन बनाया है। दो करोड़ दस लाख रूपए से आरडीएसएस अंतर्गत निर्मित भौरासला बिजली वितरण केंद्र क्षेत्र में बने पांच एमवीए क्षमता के इस नए ग्रिड से सुपर कॉरिडोर, बरदरी, लवकुश चौहान के समीप के घरेलू, गैर घरेलू, औद्योगिक क्षेत्र के करीब पांच हजार बिजली उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर ग्रामीण वृत्त अधीक्षण यंत्री डॉ. डीएन शर्मा ने बताया कि सांवेर विधायक एवं मंत्री तुलसीराम सिलावट ने इस ग्रिड के लिए प्रस्ताव दिया था, लोकहित के इस प्रस्ताव पर कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने मंजूरी दी एवं कम समय में इस ग्रिड का कार्य पूरा किया गया। इस नए ग्रिड से करीब पांच हजार उपभोक्ता को पहले से ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी, पुराने ग्रिडों पर लोड कम होने से अन्य क्षेत्रों में आपूर्ति सुधार होगा। साथ ही नए ग्रिड बनने से पुराने 11 केवी फीडरों की लंबाई घटने से संपूर्ण इलाके में फाल्ट और कम होंगे, भविष्य में बढ़ी हुई बिजली मांग को भी आसानी से गुणवत्ता के साथ पूर्ति हो सकेगी।

मुख्यमंत्री ने शारजाह के प्रतिनिधिमंडल को जीआईएस 2027 के लिए किया आमंत्रित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित 'एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग' (एआईएम कांग्रेस-2026) के दौरान शारजाह चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एवं एक्सपो सेंटर के चेयरमैन श्री अब्दल्ला सुल्तान अल ओवैस से सौजन्य भेंट की। बैठक में मध्यप्रदेश और शारजाह के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को प्रगाढ़ करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओवैस को अगले साल होने वाली 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस-2027)' में सहभागिता करने के लिये मध्यप्रदेश आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शारजाह चैंबर के साथ एक सुव्यवस्थित और रणनीतिक आर्थिक साझेदारी विकसित करने पर बल दिया।

कैलाश वानखेड़े के उपन्यास 'उजला अँधेरा' को अयोध्या प्रसाद खत्री सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कैलाश वानखेड़े के उपन्यास 'उजला अँधेरा' को वर्ष 2026 का 17वाँ अयोध्या प्रसाद खत्री स्मृति-सम्मान दिया जाएगा। उपन्यास की व्यापक सामाजिक दृष्टि, जीवन की गहरी पकड़ और विशिष्ट कथात्मक संवेदना के आधार पर चयन किया गया है।

यह उपन्यास महज़ दलित समुदाय की पीड़ा का आख्यान नहीं, उसके साथ भारतीय समाज की संरचना और उसकी अंतर्विरोधी विकास-यात्रा की व्यापक समीक्षा भी है। इस उपन्यास की विशेषता यह है कि वंचना को केवल करुणा का विषय न बनाकर मनुष्य के स्वप्न, संघर्ष और गरिमा के प्रश्न से जोड़ा गया है। 'उजाले' और 'अँधेरे' का द्वंद्व इसीलिए केवल अभाव और सुविधा का द्वंद्व नहीं, बल्कि उस समाज के विवेक का प्रश्न भी बन जाता है, जिसे हम आधुनिक और लोकतांत्रिक समाज कहते हैं।

कैलाश वानखेड़े ने अपने लेखन में हाशिए के जीवन को उसकी सामाजिक, ऐतिहासिक और मानवीय जटिलताओं के साथ देखने की एक विशिष्ट दृष्टि विकसित की है। उनकी रचनात्मकता अनुभव की प्रामाणिकता के साथ सामाजिक संरचनाओं की आलोचनात्मक समझ को जोड़ती है। इसी दृष्टि का सशक्त रूप उनके इस पहले उपन्यास में सामने आता है।

लोक अदालत में बिजली प्रकरणों की मूल राशि पर तीस और ब्याज पर शत प्रतिशत तक छूट दी जाएगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 12 सितंबर शनिवार को मालवा-निमाड़ के 44 न्यायालय क्षेत्रों में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की प्रभावी तैयारी की है। प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कंपनी क्षेत्र के सभी 15 जिलों में तैयारी कर अधिकाधिक प्रकरणों के समाधान के विशेष प्रयास करते हुए हजारों नोटिस भेजे गए हैं। इस लोक अदालत में 10 लाख रूपए तक के सिविल दायित्व के प्रकरणों में समझौता हो सकेगा।

विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत दर्ज बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों का समझौता होगा। प्री लिटिगेशन स्तर सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट देंगे। इसी तरह लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत रियायत प्रदान की जाएगी। उपरोक्त रियायत समस्त घरेलू, 5 किलोवाट तक के गैर घरेलू, 10 एचपी तक के आईपी औद्योगिक कनेक्शन से संबद्ध प्रकरणों पर ही देय रहेगी। निर्धारित छूट के उपरांत शेष बिल आंकलित सिविल दायित्व, अपराध शमन राशि एवं ब्याज की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। लोक अदालत के दौरान छूट आवेदक द्वारा विद्युत चोरी /अनाधिकृत उपयोग पहली बार किए जाने की स्थिति में ही दी जाएगी।

गोडाउन का ताला तोड़कर विस्फोटक चोरी, 375 मीटर डेटोनेटिंग फ्यूज भी ले गए

दैनिक इंदौर संकेत

महू ● महू के बडगोंदा थाना क्षेत्र के सितापाट गांव में बदमाश गोडाउन का ताला तोड़कर करीब 35 हजार रुपए की विस्फोटक सामग्री चोरी कर ले गए। घटना 7 सितंबर की सुबह की है, जो 8 सितंबर की रात सामने आई। गोडाउन से 300 किलो नाइट्रेट मिक्सर और करीब 375 मीटर डेटोनेटिंग फ्यूज चोरी हुआ है। घटना के बाद बडगोंदा पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सिंदोड़ा निवासी सूरज पिता कान्तीलाल पाटीदार (33) ने पुलिस को बताया कि सितापाट गांव में सर्वे नंबर 212/01 और 214/01 स्थित उनके गोडाउन में नाइट्रेट मिक्सर और डेटोनेटिंग फ्यूज रखा था। चोरी हुई सामग्री में 40 एमएम नाइट्रेट मिक्सर के 3 बॉक्स, वजन करीब 75 किलो, और 25 एमएम नाइट्रेट मिक्सर के 9 बॉक्स, वजन करीब 225 किलो हैं। इसके अलावा करीब 375 मीटर डेटोनेटिंग फ्यूज चोरी हुआ है। चोरी की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने गोडाउन और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना के समय वहां आने-जाने वालों की जानकारी जुटा रही है। सूरज पाटीदार की शिकायत पर बडगोंदा पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस चोरी गई सामग्री और आरोपियों की तलाश कर रही है। नाइट्रेट मिक्सर का इस्तेमाल खदानों और चट्टानों में ब्लास्टिंग के लिए किया जाता है।

बादलों की लुकाछुपी...

इंदौर। आज फिर काले बादल उमड़ने-घुमड़ने लगे हैं। अच्छी बारिश का संकेत दे रहे हैं।

महेश्वर के नर्मदा घाट पर ध्यान की गूंज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में महेश्वर के पावन नर्मदा घाट पर निशा जोशी योग अकादमी इंदौर द्वारा नि:शुल्क राष्ट्रीय ध्यानशाला का आयोजन किया गया। 'स्वयं से मिलने की यात्रा' विषय पर आयोजित इस विशेष कार्यशाला का मार्गदर्शन डॉ. निशा जोशी द्वारा किया गया।

महेश्वर के नर्मदा घाट पर आयोजित यह पाँचवीं राष्ट्रीय कार्यशाला थी।

कार्यशाला में साधकों को ध्यान की प्रक्रिया, श्वास के प्रति सजगता और आत्मचिंतन का अभ्यास कराया गया। नर्मदा तट के शांत वातावरण में साधना करते हुए प्रतिभागियों ने मन की चंचलता को देखने, वर्तमान क्षण में स्थित रहने और अपने भीतर की भावनाओं को समझने का अनुभव किया। कई साधकों ने इस वातावरण को आत्मिक शांति, सकारात्मकता और भीतर से जुड़ने वाला अनुभव बताया।

डॉ. निशा जोशी ने बताया कि ध्यान केवल आध्यात्मिक साधना ही नहीं, बल्कि मन और शरीर के संतुलन को बनाए रखने का एक वैज्ञानिक रूप से उपयोगी अभ्यास भी है। नियमित ध्यान से तनाव एवं मानसिक बेचैनी को कम करने, एकाग्रता और भावनात्मक संतुलन को बेहतर बनाने तथा नींद की गुणवत्ता में सहायता मिलने जैसे लाभ देखे गए हैं। उन्होंने कहा, 'ध्यान स्वयं से मिलने की यात्रा है। जब हम अपने विचारों, भावनाओं और प्रतिक्रियाओं को सजगता से देखना सीखते हैं, तो जीवन में शांति, संतुलन और स्पष्टता का विकास होने लगता है।'

कार्यशाला में ध्यान के आध्यात्मिक पक्ष पर भी विशेष प्रकाश डाला गया। भारतीय योग परंपरा में ध्यान को आत्मजागरूकता, आत्मचिंतन और जीवन के प्रति गहरी समझ विकसित करने का माध्यम बताया गया। उन्होंने कहा, 'सच्ची शिक्षा वही है जो व्यक्ति को बाहरी ज्ञान के साथ-साथ अपने भीतर झाँकना भी सिखाए। योग और ध्यान का ज्ञान केवल व्यक्तिगत शांति तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों के जीवन में भी सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनना चाहिए।'

एमआर-10 जंक्शन के आसपास अधूरा निर्माण

वाहन चालकों को हो रही परेशानी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर को हरदा, बैतूल और नागपुर की दिशा से जोड़ने वाले नए इंदौर-हरदा हाईवे पर यातायात शुरू हो गया है, लेकिन एमआर-10 जंक्शन के आसपास अधूरा निर्माण वाहन चालकों के लिए परेशानी बन रहा है।

अंडरपास का काम और दोनों तरफ लगी रेलिंग के कारण वाहन चालकों को करीब ढाई किलोमीटर तक सर्विस रोड का उपयोग करना पड़ रहा है। अभी भी लगभग 95 प्रतिशत इंदौर-हरदा यातायात पुराने नेमावर रोड से गुजर रहा है।

अंडरपास जोड़ने के लिए खुदाई-मुख्य मार्ग को अंडरपास से जोड़ने के लिए खुदाई चल रही है। मॉल के पीछेकी सड़क को चार लेन सड़क ने अलग कर दिया है, इसलिए टीपीएस-5 की सड़क और सर्विस रोड ही प्रमुख विकल्प बचे हैं। क्षेत्र में पांच प्रवेश बिंदु हैं और लगभग एक किलोमीटर का हिस्सा एकतरफा होने से यातायात का दबाव बढ़ने की आशंका है। भारी बारिश के बाद कीचड़ ने भी मुश्किल बढ़ाई है।

भारी वाहनों से परेशानी

राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े अधिकारियों का अनुमान है कि मॉल के पीछे और टीपीएस-5 की सड़कों को नए हाईवे से जोड़ने में पांच से सात दिन और लग सकते हैं। नियमों के कारण सर्विस रोड को सीधे मुख्य मार्ग से नहीं जोड़ा जा सकता। निर्माण पूरा होने तक भारी वाहनों को इस हिस्से में विशेष परेशानी हो सकती है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, बुधवार 09 सितंबर 2026

न्यूज ब्रीफ

ग्रीनटेक प्री इनक्यूबेशन हैकथॉन एवं आईडिएशन चैलेंज में चमेली देवी पब्लिक स्कूल की टीम रही प्रथम विजेता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद एवं एसजीएसआईटीएस यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ग्रीनटेक प्री इनक्यूबेशन हैकथॉन एवं आईडिएशन चैलेंज में क्वांटम हाइब्रिड शिपमेंट परियोजना के लिए चमेली देवी पब्लिक स्कूल की टीम ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। विद्यालय की इस टीम में कक्षा 12वीं के छात्र सारांश तिवारी, पूर्विज परमार, अरिंजय पाल एवं राज बुंदेला ने प्रतिनिधित्व किया। स्पर्धा में शहर के 70 से अधिक कॉलेज टीमों ने भाग लिया। इनमें एकमात्र चमेली देवी पब्लिक स्कूल ने यह पुरस्कार हासिल किया।

साधुमार्गी जैन समता संघ की मेजबानी में 3 स्थानों पर पर्युषण महोत्सव शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● साधुमार्गी जैन समता संघ के तत्वावधान में मंगलवार से सोमवार 14 सितम्बर तक पर्युषण महापर्व मनाया जा रहा है। आज सुबह विंध्याचल नगर स्थानक पर शासन दीपक श्री पदम मुनि जी म.सा., गुमास्ता नगर स्थित मुकुट मांगलिक परिसर पर शासन दीपक प.पू. आदित्य मुनि म.सा. आदिठाणा 3 और यशवंत निवास रोड स्थित समता भवन पर शासन दीपिका श्रीकांताश्रीजी म.सा. के सानिध्य में पर्युषण महोत्सव का शुभारंभ हुआ। आज से ही इन तीनों स्थानों पर बाहर गाँव से पढने के लिए इंदौर आए एकासन, बियासना, चौविहार करने वाले छात्रों के लिए निशुल्क भोजन व्यवस्था का शुभारम्भ भी हुआ।

चातुर्मास में राष्ट्रसंत प.पू सुधासागर म.सा. के पावन सानिध्य में जैन समाज के इतिहास में बनेगा नया कीर्तिमान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वीआई पी रोड दलाल बाग पर तीर्थ चक्रवर्ती प. पू. राष्ट्रसंत सुधासागर महाराज की पावन निश्रा में जैन समाज के इतिहास में पहली बार एक नया और यशस्वी कीर्तिमान रचने जा रहा है, जब आगामी 16 से 25 सितंबर तक यहाँ श्रावक संस्कार शिविर का विराट आयोजन होगा जिसमें देश-विदेश के 10 हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल होकर अपना गृहस्थ जीवन त्यागकर मोबाइल एवं गाड़ी-बंगले सहित वैभव से दूरी बनाकर मुनियों की दिनचर्या आत्मसात करेंगे। इन सभी साधकों को शहर के करीब 15 हजार परिवारों का आतिथ्य भी प्राप्त होगा जहाँ वे मुनियों की सादगीपूर्ण वेशभूषा में पहुंचकर भोजन एवं आतिथ्य स्वीकार करेंगे। शहर में यह अपने किस्म का पहला श्रावक संस्कार शिविर हो रहा है जिसकी व्यापक तैयारियां अब अंतिम दौर में पहुँच गई है। इनमें अनेक श्रद्धालु विदेशों से भी आ रहे हैं।

प्रमोशन में आरक्षण पर मप्र हाईकोर्ट का अंतरिम फैसला, कहा-50% आरक्षण की सीमा न लांघें

दैनिक इंदौर संकेत

जबलपुर● प्रमोशन में आरक्षण को लेकर मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार को निर्देश दिए कि कर्मचारियों को प्रमोशन दिया जा सकता है, लेकिन आरक्षण की 50 प्रतिशत निर्धारित सीमा का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। हाईकोर्ट ने प्रदेश के मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि इस मामले या सुप्रीम कोर्ट में लंबित आरबी राय और जरनैल सिंह मामलों में फैसला आने तक प्रमोशन में आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा का सख्ती से पालन हो।

सुनवाई के दौरान भोपाल की वेटरनरी सर्जन डॉ. स्वाति तिवारी सहित अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर बहस हुई। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से कर्मचारियों को लगातार प्रमोशन दिए जा रहे हैं। एक बार प्रमोशन मिलने के बाद संबंधित कर्मचारियों को

बाद में पदावनत यानी रिवर्ट करना व्यावहारिक रूप से मुश्किल हो जाता है। अधिवक्ता ने आरबी राय मामले का हवाला देते हुए कहा कि स्पष्ट कानूनी स्थिति होने के बावजूद अब तक प्रभावित कर्मचारियों को रिवर्ट नहीं किया गया है।

इंद्रा साहनी फैसले का हवाला

डिवीजन बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक इंद्रा साहनी बनाम भारत संघ फैसले में निर्धारित 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा का उल्लेख किया। कोर्ट ने कहा कि कर्मचारियों को प्रमोशन के लिए विचार किए जाने का अधिकार है, लेकिन आरक्षण की निर्धारित 50 प्रतिशत ऊपरी सीमा का पालन भी जरूरी है। इसे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पार नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि लंबित मामलों में अंतिम निर्णय आने तक प्रमोशन प्रक्रिया में 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। मामले की अगली सुनवाई 1 दिसंबर को होगी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह और अतिरिक्त महाधिवक्ता जान्हवी पंडित ने सरकार का पक्ष रखा।

प्राचीन गौशाला में महिलाओं ने साधु संतों के सानिध्य में गौ - बच्छ का किया पूजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पंचकुइया स्थित श्री राम मंदिर पंचकुइया प्राचीन गौशाला में बड़ी संख्या में मातृशक्तियों ने गौ - बच्छ का परंपरानुसार पूजन अर्चन किया। पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रामगोपालदास महाराज के पावन सानिध्य में आचार्यों व पंडितों की उपस्थिति में वेद मंत्रों के बीच गौमाताओं का पूजन अर्चन कर आरती की। सुबह से लेकर दोपहर तक बड़ी संख्या में मातृशक्तियों ने गौ माता का पूजन विधि विधान से किया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज ने कहा कि जो व्यक्ति रोजाना गौ माता की पूजा अर्चना करता है,उस पर गौ माता प्रसन्न रहती है, गौ सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है हम सबको गो सेवा का संकल्प लेना चाहिए,बछ बारस पर गौसेवा सेवा करने से परिवार में महालक्ष्मी की कृपा बनी रहती है एवं पुत्र की प्राप्ति होती है।

खजराना गणेश को समर्पित करने के लिए सवा लाख मोदक प्रसाद का निर्माण शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खजराना स्थित सिद्धि विनायक गणेश मंदिर पर इस बार भी खजराना गणेश को भक्त मंडल की ओर से सवा लाख मोदक का प्रसाद समर्पित किया जाएगा। इसके लिए भक्त मंडल की ओर से मंगलवार से मंदिर पर मोदक निर्माण के काम का शुभारंभ मंदिर के मुख्य पुजारी पं. अशोक भट्ट एवं पं. पुनीत भट्ट द्वारा वैदिक मंगलाचरण के बीच किया गया। भक्त मंडल की ओर से वरुण पार्थ बागड़ी, कविश गोयल, सुभाष नायक एवं दिलीप सर के साथ मंदिर के प्रबंधक घनश्याम शुक्ला, सहायक गौरीशंकर मिश्रा एवं भक्त मंडल से जुड़े अनेक श्रद्धालु इस मौके पर उपस्थित थे। श्री सिद्धि विनायक भक्त मंडल के अरविंद बागड़ी एवं कैलाश पंच ने बताया कि शहर के प्रसिद्ध रसोइये खेमजी महाराज और उनके 20 सहयोगी मंगलवार से 8 सुपर भट्टियों पर मोदक निर्माण में जुट गए हैं। मोदक का निर्माण पूरे 5 दिनों तक लगातार 13 सितम्बर की रात तक चलेगा। 14 सितम्बर को सुबह 10 बजे मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर शिवम वर्मा तथा मंदिर प्रशासक एवं निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा विशिष्ट अतिथियों की मौजूदगी में ध्वजा पूजन के साथ गणेशजी को सवा लाख मोदक का भोग समर्पित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मोदक प्रसाद के निर्माण में 1100 किलो मैदा, 40 टीन डिब्बे शुद्ध घी (करीब 620 किलो), 500 किलो गुड़ सफेद, 400 किलो तिल्ली सफेद, 400 किलो मूंगफली दाना एवं 40 किलो खोपरा बूरा का प्रयोग किया जा रहा है।

प्रदेश में मानसून का ब्रेक, 3 दिन भारी बारिश नहीं, 11 सितंबर से नया सिस्टम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश में मानसून ने एक फिर 3 दिन का ब्रेक लिया है। मौसम केंद्र भोपाल ने 11 सितंबर तक प्रदेश में कहीं भी अति भारी या भारी बारिश का अनुमान नहीं जताया है। इसी दिन पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया (कम दवाब का क्षेत्र) एक्टिव होगा। जिसका अगले दिन यानी, 12 सितंबर से असर दिखना शुरू होगा।

फिलहाल प्रदेश में 9, 10 और 11 सितंबर तक कहीं-कहीं हल्की बारिश का दौर रहेगा। लोकल सिस्टम सक्रिय रहा और पर्याप्त नमी मिली तो कुछ जिलों में तेज बारिश भी हो सकती है। इससे पहले मंगलवार को मौसम विभाग की नई सैटेलाइट तस्वीरों में मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्से से बादल गायब मिले। 12 सितंबर को भारी बारिश का अलर्ट मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि फिलहाल प्रदेश में सिस्टम सक्रिय नहीं है। इस वजह से तेज बारिश का अनुमान नहीं है। 12 सितंबर को छतरपुर, पन्ना, दमोह और कटनी में भारी बारिश का अनुमान है। 4% से 55% तक कम बारिश प्रदेश के पूर्वी हिस्से-जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में 1% तक कम बारिश हुई है। बालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडौरी, दमोह, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, मंडला, रीवा, सागर, सिवनी में 4% से 24% तक कम बारिश हुई है।

पिछले एक सप्ताह में यह आंकड़ा काफी सुधरा है। बीते एक सप्ताह से यहां के कई जिलों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। इससे आंकड़े में सुधार आया और सीजन में पहली बार पूर्वी हिस्सा आंकड़ों में बेहतर रहा है। सोमवार तक आंकड़ा एक प्रतिशत ज्यादा रहा।

वहीं, पश्चिमी हिस्से के आलीराजपुर, अशोकनगर, बैतूल, देवास, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, मंदसौर, मुरैना, नर्मदापुरम, नीमच, बड़वानी, खंडवा, रायसेन, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, उज्जैन और विदिशा में औसत से 7% से 55% कम पानी गिरा है।

दिल्ली हादसे के बाद एबीवीपी ने की कोचिंग संस्थानों की जांच की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● दिल्ली के सत्यनिकेतन में हॉस्टल इमारत गिरने की घटना के बाद खंडवा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। एबीवीपी नगर मंत्री कृष्णा शिंदे ने बताया कि सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर को कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया। परिषद ने मांग की कि नगर में चल रहे सभी कोचिंग संस्थानों और हॉस्टलों की जांच कराई जाए। जांच सरकार के तय मानकों के आधार पर हो। दो दिन के भीतर कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसा नहीं होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

अंकुर रिहेब सेंटर पर लोगों को जागरूक बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पंचकुइया स्थित अंकुर रिहेब सेंटर पर 15 ऐसे माता-पिता और अभिभावकों का सम्मान किया गया जिन्होंने रिहेब सेंटर की मदद से अपने बच्चों को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालने और उन्हें स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन की ओर लौटाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के आयुक्त डॉ. अजय खेमरिया, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष धर्मेन्द्र पंड्या, संयुक्त संचालक पवन चौहान एवं शिक्षाविद डॉ. ज्योति श्रीवास्तव ने अतिथि के रूप में इस आयोजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करने और नशे जैसी गंभीर समस्या में जकड़े परिवारों को राहत देने की दिशा में एक वन्दनीय प्रयास बताया। अंकुर रिहेब सेंटर के निर्देशक डॉ. अंकुर अग्रवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प के अनुरूप सेंटर द्वारा पिछले 15 वर्षों से नशामुक्त समाज के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उपचार के बाद व्यक्ति को नशे से दूर बनाए रखने में परिवार का प्यार, सम्मान, विश्वास, धैर्य और निरंतर सहयोग सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसी भाव को दृष्टिगत रखते हुए 15 अभिभावकों को अपने केंद्र पर आमंत्रित कर यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर इस अनूठे आयोजन का शुभारंभ किया।

ट्रेन में पर्स चोरी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार, सीसीटीवी से मिला सुराग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● चलती ट्रेन से यात्रियों का सामान चुराने वाले तीन आरोपियों को जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई का खुलासा मंगलवार शाम को हुआ। पुलिस ने आरोपियों के पास से 13 हजार रुपए नकद और 6 हजार रुपए कीमत का पोको मोबाइल बरामद किया है। कुल 19 हजार रुपए का सामान मिला है। तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। घटना 4 अगस्त की है। बैतूल की रहने वाली गायत्री साहू ट्रेन नंबर 12914 त्रिशताब्दी एक्सप्रेस से बैतूल से इंदौर जा रही थीं। शाजापुर जिले के बेरछा स्टेशन से पहले एक अज्ञात बदमाश ने उनका पर्स चुरा लिया था। पर्स में 30 हजार रुपए नकद, मोबाइल और सोने का मंगलसूत्र समेत करीब 95 हजार रुपए का सामान था। शिकायत मिलने के बाद जीआरपी उज्जैन ने जांच शुरू की। मामले की जांच के दौरान जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज देखे। उन्होंने निगरानी बदमाशों की जानकारी जुटाई और मुखबिरों को सक्रिय किया। फुटेज से मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने बेरछा के रहने वाले इरशाद उर्फ दिलशाद उर्फ दिल्लु, सलमान खान और समीर मेवाती को घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने चलती ट्रेन में पर्स चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपियों से 13 हजार रुपए नकद बरामद किए। इरशाद के पास से मिला पोको मोबाइल एक और ट्रेन चोरी की घटना से जुड़ा पाया गया।

शिक्षकों द्वारा दिया गया ज्ञान ही संवारता है जीवन को : उपमन्यु

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● ककस के तत्वाधान और संदीप खरे के संयोजन में आनंद नगर में शिक्षकों के सम्मान, परिचर्चा तथा काव्यपाठ का आयोजन किया। कार्यक्रम में ककस के संस्थापक सुनील चौरे उपमन्यु ने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया ज्ञान ही जीवन को संवारता है और शिक्षक के बिना जीवन अधूरा रहता है। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक गोपाल नायक, शिक्षक अरुण सोनी, अकील खान, विश्वास पांचाल और संदीप खरे का पुष्पहार और श्रीफल देकर सम्मान किया। इस अवसर पर संदीप खरे ने 'बोलूं' एप के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह एप मूक-बधिर लोगों के लिए उपयोगी है और इसे उन्होंने स्वयं विकसित किया है।

माहेश्वरी सतरंगी संगठन के तत्वावधान में हुआ मनोहारी आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री अन्नपूर्णा क्षेत्र माहेश्वरी सतरंगी सखी संगठन के तत्वावधान में रिंग रोड, स्कीम 71 स्थित सुरुचि गार्डन में कान्हा महोत्सव का रंगारंग आयोजन किया गया जिसमें श्रीमती शारदा-प्रकाश अजमेरा एवं विनिता-मनीष काबरा के आतिथ्य में महिलाओं ने भगवान कृष्ण की लीलाओं और बृज की अनूठी संस्कृति की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को सम्मोहित बनाए रखा। संगठन की अध्यक्ष रूचि सोमानी और सचिव नेहा भल्लिका ने बताया कि कान्हा महोत्सव संग भादौ मेले में विभिन्न प्रकार के स्टाल्स एवं विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के स्टाल भी लगाए गए।

संगठन की संरक्षक सुनीता जाखेटिया, सरिता सोडानी एवं पूजा तोतला के मार्गदर्शन में आशा झंवर और अनिता साबू सहित संगठन की बहनों ने राधाकृष्ण संग महारास, मैया यशोदा और कान्हा के फैशन शो, भजन, अन्ताक्षरी और भगवान कृष्ण की मनोहारी झांकियों की स्पर्धा जैसे आयोजनों में भी बहनों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और पुरस्कार भी जीते। इस आयोजन के माध्यम से संगठन से जुडी सखियों ने भारतीय संस्कृति, भक्ति और उत्सव की आनंदमयी भावना में रच-बसकर कान्हा महोत्सव का आनंद लिया। अतिथियों ने भी इस सुंदर आयोजन के लिए संगठन की पदाधिकारियों का अभिनन्दन किया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह रूचि सोमानी, नेहा भल्लिका, आशा झंवर एवं अनिता साबू ने भेंट किए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

सम्पादकीय

आत्म-परिष्कार और आत्मविश्लेषण

जीवन में कई बार ऐसा मोड़ आता है जब हर दिशा से उंगलियां उठने लगती हैं। हमारे सही काम भी गलत मान लिए जाते हैं और हमारी चुप्पी को अपराध की तरह देखा जाने लगता है। ऐसे समय में स्वाभाविक रूप से पहला विचार यही आता है कि पूरी दुनिया गलत है, लेकिन वास्तव में यहीं से हमारे आत्मज्ञान की परीक्षा शुरू होती है। आत्मविश्वास होना जीवन के लिए अति आवश्यक है, लेकिन जब यह अहंकार का रूप ले लेता है, तो मनुष्य दूसरों की बात सुनना बंद कर देता है। अहंकार उस क्षण जन्म लेता है जब हम खुद से सवाल पूछना छोड़ देते हैं। जो व्यक्ति हर विरोध में खुद को पूरी तरह निर्दोष मान लेता है, वह अपने विकास के सारे रास्ते खुद ही बंद कर लेता है। वहीं दूसरी ओर, जो हर बात के लिए खुद को ही दोषी मान लेता है, वह अंदर से टूट जाता है। हर विरोध षड्यंत्र नहीं होता। जीवन कभी-कभी हमारे सामने बिना किसी फिल्टर का आईना लाकर खड़ा कर देता है। जब सब लोग आपके विरुद्ध हों, तो इसका अर्थ यह नहीं कि आप पूरी तरह गलत हैं, बल्कि इसका संकेत यह है कि आप अभी अपूर्ण हैं। बुद्धिमान व्यक्ति वही है जो संतुलन बनाए रखता है और यह समझता है कि कौन-सा विरोध उसे गिराने आया है और कौन-सा उसे बेहतर बनाने। 'सुधार करना' किसी भी तरह से कमजोरी की निशानी नहीं है। यह इस बात की स्वीकारोक्ति है कि हम अभी सीख रहे हैं और हमारा दृष्टिकोण ही अंतिम सत्य नहीं है। जीवन हमसे परिपूर्ण होने की नहीं, बल्कि परिष्कृत की अपेक्षा करता है, और परिष्कार की यह प्रक्रिया हमेशा हमारे भीतर से शुरू होती है। जब परिस्थितियां विपरीत हों और लोग आपकी कमियां बताएं, तो तुरंत प्रतिक्रिया देने या भागने की जरूरत नहीं है। उस क्षण ठहरकर शांत मन से खुद से सवाल पूछिए— 'क्या वास्तव में मुझसे कोई चूक हुई है?' यदि आप ईमानदारी से सोचेंगे, तो उत्तर अवश्य मिलेगा। कभी-कभी समय, ईश्वर या हमारी चेतना हमें वही सिखाने का प्रयास करती है, जिसे हम सुनना नहीं चाहते थे!

सतीश शर्मा

भारत की नई वैश्विक छलांग : पूंजी, तकनीक, अंतरिक्ष, विदेशी मुद्रा और विज़न 2047 के बीच ब्रिक्स की निर्णायक भूमिका

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ की आर्थिक और कूटनीतिक व्यवस्था एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है,जहाँ शक्ति का अर्थ केवल सैन्य क्षमता या किसी देश की जीडीपी नहीं रह गया है, बल्कि पूंजी, तकनीक, ऊर्जा,डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, विदेशी मुद्रा, सप्लाई चेन, बाजार और वैश्विक संस्थाओं पर प्रभाव का संयुक्त परिणाम बन गया है। इसी बदलते वैश्विक समीकरण के बीच भारत 12-13 सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है। भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय बिल्डिंग फॉर रेसिलिन्स इन्नोवेशन, कोआपरेशन एंड सस्टेनेंबिलिटी है और इसका केंद्रीय दृष्टिकोण ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को अधिक प्रभावी वैश्विक मंच देना तथा सहयोग को व्यावहारिक परिणामों में बदलना है। इस सम्मेलन को केवल एक सामान्य बहुपक्षीय बैठक के रूप में देखना बड़ी भूल होगी। वर्ष 2026 में ब्रिक्स अपनी स्थापना के 20 वर्ष पूरे कर रहा है और भारत चौथी बार इसकी अध्यक्षता कर रहा है।भारतीय अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय संवाद आयोजित किए जा चुके हैं। राजनीतिक-सुरक्षा,आर्थिक-वित्तीय और सांस्कृतिक-जनसंपर्क,इन तीनों आयामों में सहयोग को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया है।इसलिए 12-13 सितंबर का शिखर सम्मेलन पूरे वर्ष चले इस व्यापक कूटनीतिक अभियान का निर्णायक राजनीतिक मंच बनने जा रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न स्वाभाविक रूप से ज़ी 7 बनाम ब्रिक्स का है।ज़ी 7 आज भी विकसित औद्योगिक लोकतंत्रों वैश्विक वित्त,उच्च तकनीक और संस्थागत प्रभाव की दृष्टि से अत्यंत शक्तिशाली समूह है।दूसरी ओर ब्रिक्स का विस्तार इसे केवल कुछ उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह से कहीं अधिक व्यापक मंच बना चुका है।इसलिए भविष्य की दुनियाँ को कौन जीतेगा ज़ी 7 या ब्रिक्स जैसे सरल प्रश्न से समझना पर्याप्त नहीं होगा।वास्तविक प्रश्न यह है कि कौन वैश्विक आर्थिक नियमों, व्यापारिक नेटवर्क, तकनीकी मानकों और विकास की प्राथमिकताओं को अधिक प्रभावी ढंग से प्रभावित कर पाएगा? यही वह क्षेत्र है जहाँ नई दिल्ली सम्मेलन का महत्व सटीकता से असाधारण हो जाता है। ब्रिक्स की सबसे बड़ी शक्ति उसका ग्लोबल साउथ डिमेंशन है। भारत लगातार यह रेखांकित करता रहा है कि विकासशील देशों की आवाज वैश्विक शासन संस्थाओं में उनकी वास्तविक आर्थिक और जनसंख्या शक्ति के अनुरूप दिखाई देनी चाहिए। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में आर्थिक सहयोग के साथ- साथ तकनीक, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, नवाचार स्टार्टअप पर्यावरण साइबर सुरक्षा और सतत विकास जैसे क्षेत्रों को महत्व दिया गया है। अगस्त में ब्रिक्स कम्युनिकेशन्स मिनिस्टर्स मीटिंग में डिजिटल पब्लिक

इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई और भविष्य की नेटवर्क तकनीक, साइबर सुरक्षा, डिजिटल स्किलिंग, स्टार्टअप तथा नवाचार को सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में रखा गया था।यहीं भारत की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत ब्रिक्स को किसी पश्चिम- विरोधी सैन्य या राजनीतिक गठबंधन के रूप में स्थापित करने के बजाय बहुध्रुवीय और अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण वैश्विक व्यवस्था के मंच के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है। यह दृष्टिकोण भारत की रणनीतिक स्वायत्तता से भी जुड़ा हुआ है। नई दिल्ली के लिए रूस के साथ ऊर्जा और रणनीतिक संबंध, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और सहयोग, पश्चिमी देशों के साथ व्यापार एवं तकनीकी साझेदारी और ग्लोबल साउथ के साथ विकासात्मक जुड़ाव, इन सभी को एक साथ संतुलित करना आवश्यक है। यही भारत की सटीकता से कूटनीतिक चुनौती भी है और अवसर भी। सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की संभावित उपस्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगी उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार चीनी पक्ष ने उनकी संभावित यात्रा के लिए सुरक्षा और प्रोटोकॉल संबंधी तैयारियाँ शुरू की हैं, लेकिन 8 सितंबर तक उनकी यात्रा को लेकर औपचारिक अंतिम कार्यक्रम सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं था। यदि शी जिनपिंग नई दिल्ली आते हैं, तो यह 2019 के बाद उनकी पहली भारत यात्रा होगी और ब्रिक्स मंच पर भारत-चीन संबंधों को नई दिशा देने का अवसर भी बन सकती है। मैं अंदाज लगा सकता हूं कि चीनी राष्ट्रपति बहुत बड़े डेलिगेशन के साथ भारत आने की सटीकता से उम्मीद है। रूस के राष्ट्रपति की भारत यात्रा को लेकर स्थिति कहीं अधिक स्पष्ट है।भारतीय पीएम ने ने 31अगस्त को पुतिन से मुलाकात के दौरान उन्हें 12-13 सितंबर के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत आने का स्वागत करने की बात कही थी। दोनों नेताओं ने ब्रिक्स के तहत सहयोग सहित राजनीतिक, आर्थिक, ऊर्जा, अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। इससे स्पष्ट है कि नई दिल्ली सम्मेलन भारत-रूस संबंधों और व्यापक ग्लोबल साउथ डिप्लोमेसी के लिए भी महत्वपूर्ण मंच बनने जा रहा है। ब्रिक्स का दूसरा बड़ा आयाम वित्तीय और आर्थिक सहयोग है। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में डॉलर, पश्चिमी वित्तीय संस्थाओं और विकसित देशों के बाजारों का प्रभाव अभी भी अत्यंत मजबूत है। ब्रिक्स के सामने चुनौती यह है कि क्या वह सदस्य देशों के बीच व्यापार, स्थानीय मुद्राओं में लेन-देन, भुगतान प्रणालियों, विकास वित्त और निवेश सहयोग को इस स्तर तक बढ़ा सकता है कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में उसका वास्तविक प्रभाव दिखाई देने लगे। यह कार्य आसान नहीं है,क्योंकि ब्रिक्स के भीतर आर्थिक संरचनाएँ, राजनीतिक प्राथमिकताएँ और राष्ट्रीय हित एक-दूसरे से काफी अलग हैं। लेकिन यही विविधता यदि व्यावहारिक सहयोग में बदली गई तो यह समूह की सबसे बड़ी ताकत भी बन सकती है। भारत के लिए इसका महत्व विज़न 2047 से भी जुड़ता है। भारत यदि 2047 तक विकसित और आर्थिक रूप से अधिक शक्तिशाली राष्ट्र बनना चाहता है, तो उसे केवल घरेलू आर्थिक वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी। उसे वैश्विक पूंजी आकर्षित करनी होगी, उच्च तकनीक में नेतृत्व विकसित करना होगा, अंतरिक्ष और डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपनी क्षमता बढ़ानी होगी, विदेशी मुद्रा की मजबूती बनाए रखनी होगी और वैश्विक सप्लाई चेन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ानी होगी।ब्रिक्स भारत को इन लक्ष्यों के लिए एक अतिरिक्त कूटनीतिक और आर्थिक नेटवर्क उपलब्ध कराता है। दिल्ली में सम्मेलन की तैयारियाँ भी इसी महत्व को दर्शाती हैं।एनडीएमसी ने प्रमुख सड़कों,बाजारों, होटल क्षेत्रों और वीआईपी मार्गों के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। राजधानी के कई हिस्सों में लैंडस्केपिंग, फूलों की सजावट, मुरल्स और अन्य सौंदर्यीकरण कार्य किए गए हैं।यह केवल सजावट नहीं, बल्कि भारत की सॉफ्ट पावर और आयोजन क्षमता का प्रदर्शन भी है। 2023 के ज़ी 20 के बाद दिल्ली एक बार फिर दुनियाँ के सामने स्वयं को बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की मेजबानी करने में सक्षम राजधानी के रूप में प्रस्तुत कर रही है।आम नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 11 सितंबर को दिल्ली के सभी स्कूल बंद रखने का निर्णय लिया गया है। केंद्र सरकार के दिल्ली स्थित कार्यालयों के लिए भी 11 सितंबर को अवकाश घोषित किया गया है,जबकि 12 और 13 सितंबर सप्ताहांत हैं। इन फैसलों के पीछे सम्मेलन से जुड़ी सुरक्षा, यातायात और लॉजिस्टिक व्यवस्था को सुचारु रखना प्रमुख कारण है। दिल्ली पुलिस ने भी 11 से 13 सितंबर के लिए विशेष ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। आधिकारिक दिल्ली ट्रैफिक पुलिस वेबसाइट पर इस अवधि के लिए अलग ब्रिक्स ट्रैफिक एडवाइजरी उपलब्ध है। सुरक्षा और वीआईपी मूवमेंट के कारण प्रमुख मार्गों पर डाइवर्शन और ट्रैफिक कंट्रोल की व्यवस्था की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अधिकृत स्थानों पर ही पार्किंग करने और किसी संदिग्ध वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की है। इस स्तर की तैयारी बताती है कि सम्मेलन केवल भारत मंडपम तक सीमित आयोजन नहीं, बल्कि पूरी राष्ट्रीय राजधानी के लिए एक बड़ा लॉजिस्ट्रीकल एक्सरसाइज है। इस पूरे घटनाक्रम में एक और महत्वपूर्ण संदेश छिपा है,भारत अब केवल वैश्विक व्यवस्था का सहभागी नहीं, बल्कि उसके पुनर्संतुलन में सक्रिय भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा है। ब्रिक्स के माध्यम से भारत ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूती देना चाहता है, लेकिन साथ ही पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं से अपने संबंध भी बनाए रखना चाहता है। यही संतुलन भारत की विदेश नीति की विशिष्ट पहचान बन सकता है। भारत के लिए भविष्य का रास्ता ज़ी 7 को हराने की बजाय ज़ी 7 और ब्रिक्स दोनों के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप प्रभावी संबंध बनाने में अधिक है।12-13 सितंबर का नई दिल्ली ब्रिक्स सम्मिट किसी एक संगठन की जीत या हार का फैसला नहीं करेगा।यह उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाएगा,21वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था का नेतृत्व किस प्रकार की व्यवस्था करेगी:कुछ विकसित शक्तियों का केंद्रीकृत प्रभाव या अनेक आर्थिक केंद्रों वाली बहुध्रुवीय दुनिया? ब्रिक्स यदि अपने विशाल बाजार, संसाधनों तकनीकी क्षमता और विकासात्मक आवश्यकताओं को ठोस संस्थागत सहयोग में बदल पाता है, तो उसका वैश्विक प्रभाव और बढ़ सकता है। लेकिन यदि आंतरिक मतभेद, राजनीतिक अविश्वास और अलग-अलग राष्ट्रीय हित हावी रहे, तो उसकी क्षमता सीमित रह सकती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि भारत के लिए इसलिए नई दिल्ली सम्मेलन का असली लक्ष्य ज़ी 7 बनाम ब्रिक्स की प्रतियोगिता में किसी एक को विजेता घोषित करना नहीं,बल्कि भारत को उस नई बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था के निर्णायक केंद्रों में स्थापित करना है। पूंजी से लेकर तकनीक तक, अंतरिक्ष से लेकर डिजिटल अर्थव्यवस्था तक और विदेशी मुद्रा से लेकर ग्लोबल साउथ डिप्लोमेसी तक,यदि भारत इन सभी मोर्चों पर अपनी क्षमता को एकीकृत कर पाया, तो ब्रिक्स की 2026अध्यक्षता केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी नहीं रहेगी; यह विज़न 2047 की वैश्विक आर्थिक नींव मजबूत करने की दिशा में भारत की एक महत्वपूर्ण रणनीतिक छलांग साबित हो सकती है।

-लेखक एडवोकेट **किशन सनमुखदास भावनानीं**
गोंदिया, महाराष्ट्र

आंचलिक

आदिवासी अंचल को मिली रेल सौगात टांडा रोड से वडोदरा मेमू शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

धार• जिले के रेल इतिहास में 8 सितंबर का दिन दर्ज हो गया। आजादी के बाद पहली बार जिले में यात्री ट्रेन सेवा शुरू हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के वडोदरा से वर्चुअल माध्यम से प्रतापनगर-वडोदरा और टांडा रोड के बीच नई स्न्धरू यात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही छोटा उदयपुर-धार रेल परियोजना के जोबट-टांडा रोड नई रेल लाइन हिस्से का भी शुभारंभ हुआ। टांडा रोड पर धार की ओर से केंद्रीय राज्य मंत्री एवं धार-महू सांसद सावित्री ठाकुर मौजूद रहीं। ट्रेन के शुभारंभ को लेकर टांडा रोड स्टेशन को सजाया गया था और कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। आजादी के बाद से रेल का इंतजार कर रहे धार जिले के लिए यह ऐतिहासिक दिन है। हालांकि इस उपलब्धि की एक बड़ी कहानी और है—ट्रेन धार जिले में पहुंच रही है, लेकिन धार शहर में नहीं। टांडा रोड तक रेल पहुंचने के बाद भी जिला मुख्यालय धार को अपनी पहली यात्री ट्रेन के लिए अभी इंतजार करना होगा। केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा है कि सुरक्षित वातावरण में काम करना हर कर्मचारी का अधिकार है। सुरक्षा केवल एक नियम नहीं बल्कि हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी और आदत होनी चाहिए। उन्होंने अपील की कि कार्यस्थल पर किसी भी असुरक्षित स्थिति को नजरअंदाज न करें और तुरंत उसकी रिपोर्ट करें, क्योंकि एक

छोटा सा कदम भी किसी की जान बचा सकता है। झाबुआ से जोबट, टांडा और धार रेल लाइन का सपना तेजी से साकार हो रहा है। धार निवासी राजेंद्र जैन ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री का आभार व्यक्त किया है।

छोटा उदयपुर-धार नई रेल लाइन परियोजना की आधारशिला तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 8 फरवरी 2008 को झाबुआ में रखी थी। अब करीब 18 साल 7 महीने बाद परियोजना के जोबट-टांडा रोड हिस्से पर यात्री रेल सेवा शुरू हुई है। करीब 157 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का उद्देश्य गुजरात और मध्यप्रदेश के आदिवासी एवं दूरदराज के इलाकों को रेल नेटवर्क से जोड़ना है। टांडा रोड तक शुरू हुई यात्री सेवा को इसी दिशा में बड़ा पड़ाव माना जा रहा है।

टांडा रोड से डेकाकुंड तक करीब 16 किलोमीटर नई रेल लाइन तैयार की गई है। इसी हिस्से के जुड़ने से टांडा रोड पहली बार यात्री रेल नेटवर्क से सीधे जुड़ा है। 12 कोच वाली स्न्धरू ट्रेन प्रतापनगर-वडोदरा और टांडा रोड के बीच संचालित होगी। इससे मध्यप्रदेश के धार और अलीराजपुर तथा गुजरात के वडोदरा और छोटा उदयपुर क्षेत्र के यात्रियों को कनेक्टिविटी मिलेगी।

नई रेल सेवा शुरू होने से धार और आसपास के आदिवासी क्षेत्रों के लोगों को गुजरात आने-जाने में सुविधा मिलेगी। विद्यार्थियों, व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों और ग्रामीणों को अब लंबी दूरी के सफर के लिए सड़क परिवहन पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। रेल कनेक्टिविटी से क्षेत्र में व्यापार, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। स्थानीय कृषि और अन्य उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने में भी रेल सुविधा मददगार हो सकती है।

फोरलेन मुआवजे की मांग किसान संघ करेगा आंदोलन

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • भारतीय किसान संघ जिला खरगोन की मासिक बैठक मंगलवार को हुई। बैठक में किसानों से जुड़ी अलग-अलग समस्याओं और उनके समाधान को लेकर चर्चा की गई। तय किया गया कि 15 सितंबर को मालवा प्रांत की सभी तहसीलों में एक साथ ज्ञापन दिया जाएगा। इसके लिए तहसीलवार प्रभारियों की जिम्मेदारी भी तय की गई है। बैठक में फोरलेन के लिए ली जाने वाली जमीन के मुआवजे और अधूरी सिंचाई परियोजनाओं से खेतों तक पानी नहीं पहुंचने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। प्रदेश अध्यक्ष कमल आंजना ने कहा कि भारतीय किसान संघ लगातार किसानों के हितों के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने देशगांव से जुलवानिया तक बनने वाले फोरलेन के लिए ली जाने वाली जमीन के मुआवजे का मुद्दा उठाया। प्रतिनिधियों ने सवाल किया कि प्रदेश के दूसरे जिलों में किसानों को गाइडलाइन से चार गुना तक मुआवजा मिल रहा है, तो खरगोन के किसानों को यह लाभ क्यों नहीं दिया जा रहा है। मालवा प्रांत अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पटेल ने कहा कि जिले के कई किसान अभी भी सिंचाई परियोजनाओं से पानी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि अधूरी पड़ी सिंचाई परियोजनाओं का काम जल्द पूरा किया जाए, ताकि किसानों के खेतों तक पानी पहुंच सके और उन्हें सिंचाई की सुविधा मिल सके। प्रांत सह संगठन मंत्री दिनेश शर्मा ने बताया कि 15 सितंबर को पूरे मालवा प्रांत की सभी तहसीलों में एक साथ ज्ञापन दिया जाएगा। इसके जरिए किसानों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाया जाएगा। संगठन ने इसके लिए तहसीलवार प्रभारी भी बनाए हैं।

मनावर के खेरियाखोदरी में सार्वजनिक सड़क पर अतिक्रमण

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर • खेरियाखोदरी गांव में सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण से ग्रामीण परेशान हैं। मंगलवार को ग्रामीणों ने नायब तहसीलदार को आवेदन देकर रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग की। ग्रामीणों के मुताबिक खेरियाखोदरी से मंडावदा जाने वाला पुराना रास्ता पहले काफी चौड़ा था, लेकिन अब कुछ लोगों ने वहां लकड़ी, पत्थर, कांटे और अन्य सामान रख दिया है। ग्रामीण राजू और जामसिंह दरबार ने बताया कि इस रास्ते का इस्तेमाल खेतों और आसपास के गांवों में आने-जाने के लिए किया जाता है। अतिक्रमण के बाद रास्ता काफी संकरा हो गया है। ग्रामीणों के मुताबिक बैलगाड़ी, ट्रैक्टर और दूसरे वाहनों को निकालने में परेशानी होती है। अतिक्रमण हटाने की बात कहने पर विवाद की स्थिति भी बन जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि रास्ते के पास स्थित सरकारी प्राथमिक स्कूल के आसपास भी अतिक्रमण है। यहां पशु बांधने और चारा रखने से स्कूल के आसपास जगह कम हो गई है। ग्रामीणों ने स्कूल के आसपास की जगह को भी अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की है। खेरियाखोदरी से मंडावदा हाईस्कूल जाने वाले बच्चों को भी इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है। बारिश के दौरान रास्ते पर कीचड़ जमा हो जाता है। ग्रामीणों के मुताबिक बच्चे कई बार फिसलकर गिर जाते हैं और उनके कपड़े खराब हो जाते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से रास्ते की जांच कर अतिक्रमण हटाने और सड़क को ठीक कराने की मांग की है।

मूंदी में नल टैक्स बढ़ाया, 15दिन से पानी की किल्लत, कांग्रेस ने नगर परिषद घेरा

दैनिक इंदौर संकेत

मूंदी• मूंदी नगर में पेयजल संकट और बढ़े हुए नल टैक्स के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। ब्लॉक और नगर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली। इस दौरान नगर परिषद की पेयजल व्यवस्था को लेकर नारेबाजी की गई। परिषद कार्यालय के घेराव के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तमपालसिंह ने ढपली बजाकर विरोध जताया। प्रदर्शन के बाद तहसीलदार वंदना चौहान को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें पेयजल व्यवस्था सुधारने और जलकर की दर कम करने की मांग की गई। कांग्रेस का आरोप है कि मूंदी के अधिकांश वार्डों में करीब 15 दिनों से पेयजल वितरण व्यवस्था खराब है। पहले एक दिन के अंतराल पर करीब दो घंटे पानी की सप्लाई होती थी। अब बारिश के बावजूद पानी आने का कोई निश्चित समय नहीं है। कांग्रेस के मुताबिक, कई इलाकों में केवल 15 से 30 मिनट पानी दिया जा रहा है। कुछ वार्डों में दो-दो दिन तक नलों में पानी नहीं आ रहा है। इससे लोगों को पेयजल के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तमपालसिंह ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जलकर बढ़ाते समय

परिषद ने दावा किया था कि नई व्यवस्था में बिना मोटर पंप के भी तीसरी मंजिल तक पानी पहुंचेगा। इसके बावजूद 230 रुपए प्रतिमाह जलकर लेने के बाद भी लोगों को नियमित और पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि नगर के पुराने जलस्रोत बंद कर दिए गए हैं। वहीं, केनूद के जलाशय को समय पर नहीं भरने से भी पेयजल संकट बना है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जब नागरिकों से बढ़ा हुआ जलकर लिया जा रहा है तो नगर परिषद की जिम्मेदारी है कि उन्हें नियमित और पर्याप्त पानी मिले।

भाजपा प्रवक्ता के 'दलाली' बयान पर जयस का विरोध

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर • मनावर में भाजपा प्रवक्ता हितेश बाजपेयी के बयान पर जयस संगठन ने आज मंगलवार को कड़ा विरोध जताया है। भाजपा प्रवक्ता ने जयस से जुड़े युवाओं पर भाजपा से 'दलाली' करने का आरोप लगाया था। जयस के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. हिरालाल अलावा ने बयान जारी कर इन आरोपों को गलत बताया है। डॉ. अलावा ने जयस से जुड़े युवाओं से सोशल मीडिया पर इस बयान का विरोध करने को कहा है। उन्होंने भाजपा प्रवक्ता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। डॉ. अलावा ने चुनौती दी कि अगर भाजपा प्रवक्ता ने किसी जयस कार्यकर्ता पर दलाली का आरोप लगाया है, तो वे उन लोगों के नाम बताएं, नहीं तो अपने बयान के लिए माफी मांगें। डॉ. अलावा ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रवक्ता के इस बयान से जयस संगठन की छवि खराब हुई है।

अंडर 14, 17 एवं 19 बालक-बालिका हॉकी टूर्नामेंट का शुभारम्भ हुआ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●एमराल्ड हाईट्स इंटरनेशनल स्कूल राऊ में अंडर 14, 17 और अंडर 19 बालक-बालिका समूह वर्ग अंतर्गतजिला स्तरीय हॉकी टूर्नामेंट का शुभारम्भ शिक्षक संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार एवं टेबल टेनिस के राष्ट्रीय खिलाड़ी व कोच श्री प्रशांत वैष्णव की उपस्थिति में हुआ। हॉकी टूर्नामेंट के चयन समिति के सदस्य महावीर मालवीय एवं आनंद यादव ने बताया कि मंगलवार को एमराल्ड हाईट्स इंटरनेशनल स्कूल राऊ में जिलें के विभिन्न स्कूलों के चयनित हॉकी खिलाड़ियों का ट्रायल किया गया,जिसमें चयनित अंडर 14,17 और अंडर 19 वर्ग समूह के बालक / बालिका खिलाड़ियों ने अपना हुनर दिखाया। प्रतियोगिता में सफल खिलाड़ी संभाग स्तरीय टूर्नामेंट में भाग लेंगे। इस अवसर पर कबड्डी के राष्ट्रीय खिलाड़ी रहें पी टी आई प्रकाश गौड़, टेबल टेनिस की राष्ट्रीय महिला खिलाड़ी श्रीमती नीता वैष्णव, सेलेक्टर एवं कोच आनंद यादव, महावीर मालवीय, अतुल खुरे, एन आई सी कोच अशोक यादव, सिमरन कौर सैनी, व शिखा विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

शो में ज्यादा सफाई देती तो पकड़ी जाती : क्रिस्टल डिसूज़ा

मुंबई (एजेंसी) ● क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने द ट्रेटर्स सीजन 2 में अपने खेल से सभी को चौंका दिया। शो में क्रिस्टल डिसूजा ने ट्रेटर्स की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ कई खिलाड़ियों को गलतफहमी में रखा, बल्कि आखिर तक खुद को बचाए रखा। अब शो के खत्म होने के बाद क्रिस्टल ने बताया है कि शुरुआत से ही उन्हें पता था कि अगर वह किसी सवाल पर जरूरत से ज्यादा सफाई देंगी या खुद को बचाने के लिए बहुत ज्यादा सफाई देने लगेंगी, तो उनका राज खुल सकता है। क्रिस्टल ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ट्रेटर होना सुनने में भले ही बहुत शानदार लगता हो, लेकिन जब आपको हर दिन उन लोगों से झूठ बोलना पड़े, जिन्हें आप सच में पसंद करते हैं, तब इसकी असली मुश्किल समझ आती है। मैं शुरुआत से ही ट्रेटर थीं और इसलिए मुझे जल्दी समझ आ गया था कि ज्यादा बोलना या किसी आरोप पर तुरंत सफाई देना मुझे सबकी नजरों में ला सकता है।

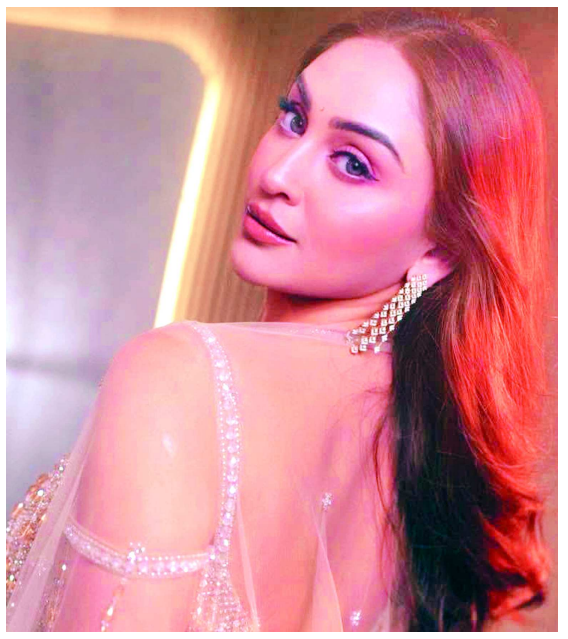

स्मृति मंधाना आईसीसी टी-20 रैंकिंग में टॉप-5 में

दुबई (एजेंसी) ● भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ महिला एशिया कप के मुकाबले में 124 रन की शानदार पारी के बाद मंगलवार को आईसीसी टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पांच में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। आईसीसी टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना पांचवें स्थान पर कायम हैं। बेथ मूनी 785 रेटिंग प्वाइंट के साथ पहले स्थान पर हैं। स्मृति मंधाना के 743 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। टॉप 10 में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर भी हैं।

डेविड वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम के कप्तान

कैनबरा (एजेंसी) ● आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को मंगलवार को वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के तीसरे सीजन के लिए ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। टीम का सह-स्वामित्व अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के पास है। तीसरे सत्र से पहले एक कार्यक्रम में टीम ने अपनी नई पहचान का अनावरण किया। इसी दौरान पोंटिंग को पुणे के रहने वाले पुनीत सिंह के साथ फ्रेंचाइजी का सह-मालिक घोषित किया गया। वॉर्नर को टीम में नए प्रमुख खिलाड़ी के रूप में शामिल किए जाने की भी घोषणा की गई। वॉर्नर ने कहा, इससे बेहतर और क्या हो सकता है कि फिर मैदान पर उतरें, खेल के कुछ महान खिलाडियों के साथ खेलें और प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका मिल सकें। पोंटिंग ने कहा, मैं ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस और डब्ल्यूसीएल का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं।

फिल्म 'राका' में नजर आएंगी नैला ग्रेवाल

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री नैला ग्रेवाल अपकमिंग साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म राका में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने हाल ही में इस फिल्म को लेकर साउथ इंडस्ट्री की जमकर तारीफ की है। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको बेहद खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचे चले आते हैं। बातचीत में नैला ग्रेवाल ने कहा, मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही हैं। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है। फिल्म राका की हिंट देते हुए नैला ग्रेवाल ने कहा, आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है। अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने आगे कहा, राका भी बहुत बढ़िया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है।

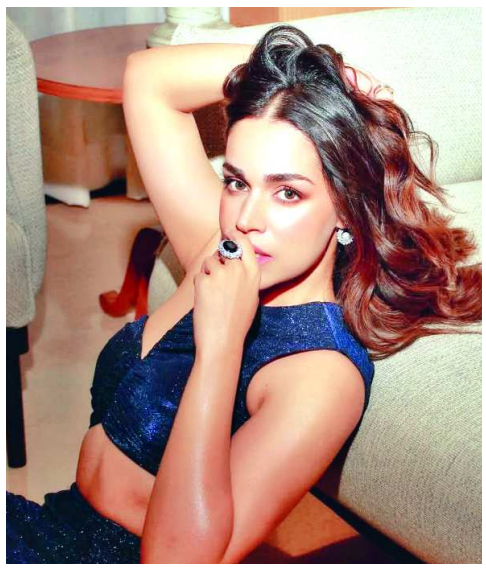

उज्जैन संभाग

आईआईटी की टीम हटाएगी खड़े हनुमान की प्रतिमा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●सड़क चौड़ीकरण के लिए मंदिर का ढांचा टूट गया, जेसीबी चली, क्रेन लगाई गई, मजदूरों ने भी पूरी ताकत लगा दी... लेकिन करीब 170 साल पुराने खड़े हनुमान मंदिर में विराजित प्रतिमा अपनी जगह से टस से मस नहीं हुई। करीब 10 दिन तक चले प्रयासों के बाद अब प्रशासन ने भी कदम पीछे खींचते हुए विशेषज्ञों की मदद लेने का फैसला किया है। आईआईटी इंदौर की टीम मंदिर पहुंची और विशेष उपकरणों से प्रतिमा की गहराई व संरचना की जांच की। कहा जा रहा है कि खड़े हनुमान की प्रतिमा करीब 1000 वर्ष पुरानी हो सकती है। पुरातत्व विशेषज्ञों के मुताबिक इसे पुराने समय की इंटरलॉक तकनीक से स्थापित किया गया होगा। ऐसे में ज्यादा बल लगाने पर प्रतिमा के क्षतिग्रस्त होने का खतरा है। अब आईआईटी की रिपोर्ट के बाद ही तय होगा कि प्रतिमा को कैसे और कब विस्थापित किया जाए। इधर, भक्तों के लिए यह सिर्फ एक प्रतिमा को हटाने का मामला नहीं है। वर्षों से यहां आने वाले लोग खड़े हनुमान को 'डॉक्टर हनुमान' और मंदिर को 'उज्जैन का एम्स' तक कहते हैं। मान्यता है कि यहां बच्चों और बीमार लोगों की मन्नतें पूरी होती हैं। यही वजह है कि प्रतिमा के नहीं हिलने को कई भक्त भगवान का संकेत और चमत्कार मान रहे हैं। लगातार प्रयासों के बावजूद प्रतिमा नहीं हिलने के बाद मंगलवार को आईआईटी इंदौर के विशेषज्ञों की टीम खड़े हनुमान मंदिर पहुंची। टीम ने विशेष उपकरणों की मदद से प्रतिमा की गहराई और उसके आसपास की संरचना की जानकारी जुटाई। करीब दो घंटे तक जांच के बाद टीम अपनी रिपोर्ट देगी।

नगर निगम कमिश्नर अभिलाष मिश्रा ने बताया कि मंदिर के पंडित के आग्रह पर आईआईटी की टीम को बुलाया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही प्रतिमा के विस्थापन की प्रक्रिया और तारीख तय की जाएगी। कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है। सड़क करीब 15 मीटर चौड़ी की जा रही है और खड़े हनुमान का मंदिर प्रस्तावित सड़क के हिस्से में आ रहा था।

प्रतिमा को हटाने की कोशिशों के बावजूद उसके नहीं हिलने की खबर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर खड़े हनुमान की चर्चा शुरू हो गई। भक्त इसे भगवान का चमत्कार मान रहे हैं। स्थानीय लोगों, पुजारियों और हिंदू संगठनों ने हनुमान चालीसा का पाठ कर प्रतिमा को हटाने का विरोध भी किया।

पीडब्ल्यूडी में टकराव:एसई पटेल को मिला स्टे, सिंह ने पद सौंपा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में अधीक्षण यंत्री (एसई) के तबादले का मामला विवादों में घिरता जा रहा है। यहां एक अधीक्षण यंत्री का तबादला इंदौर कर दिया, उनकी जगह सिंहस्थ पीडब्ल्यूडी से दूसरे अधिकारी का ट्रांसफर किया, लेकिन कोर्ट के स्टे मिलने के कारण मामला उलझ गया। पीडब्ल्यूडी में पदस्थ एसई जीपी पटेल का ट्रांसफर 21 अगस्त 2026 को इंदौर कर दिया गया। वहीं पीडब्ल्यूडी सिंहस्थ विभाग में पदस्थ एसई अवनेंद्र सिंह का ट्रांसफर पटेल के स्थान पर किया। सिंह के स्थान पर प्रफुल्ल जैन को भेजा गया। ट्रांसफर ऑर्डर और प्रक्रिया के खिलाफ पटेल ने 22 अगस्त को हाई कोर्ट में याचिका दायर की। पटेल की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने 25 अगस्त 2026 को स्टे दे दिया। इस बीच अवनेंद्र सिंह ने अपने पद पर ट्रांसफर होकर प्रफुल्ल जैन को चार्ज सौंप दिया, लेकिन पटेल को स्टे मिलने के कारण उन्होंने पीडब्ल्यूडी में अधीक्षण यंत्री पद का चार्ज नहीं लिया। अब वे एसई डिपार्टमेंट में पदस्थ हैं। पटेल का कहना है कि मैं ट्रांसफर के खिलाफ कोर्ट की शरण में गया था, कोर्ट ने भी ट्रांसफर को संदिग्ध मानते हुए तबादले के खिलाफ स्टे दे दिया। वहीं अवनेंद्र सिंह का कहना है कि ट्रांसफर नियम के तहत हुआ है, लेकिन स्टे मिलने के कारण प्रक्रिया रुकी है, अब इस पूरे मामले में कोर्ट ही फैसला करेगी। बताया जा रहा है कि तबादला आदेश निरस्त होने के बाद अब उस पूरी प्रक्रिया की उच्चस्तरीय जांच शुरू हो गई है, जिसमें बेहद कम समय में नोटशीट तैयार कर ट्रांसफर की पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया था।

स्मार्ट सिटी का 7 करोड़ का प्रोजेक्ट 10 माह से रुका

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मोदी का चौपड़ा की प्राचीन बावड़ी को नया रूप देने के लिए काम शुरू तो हुआ पर मौके पर तस्वीर अलग दिखी। स्मार्ट सिटी ने 7 करोड़ रुपए का सौंदर्यीकरण प्रोजेक्ट तैयार किया। अक्टूबर में काम शुरू करने पर बावड़ी की दीवारों के झुके होने और संरचना प्रोजेक्ट में तय स्थिति से अलग होना सामने आया। एक माह काम के बाद अब प्रोजेक्ट रोक दिया है। काम शुरू करने के चलते बावड़ी का पानी खाली किया, लेकिन पानी बार-बार भरने से काम प्रभावित हुआ। इसी दौरान दीवारों के झुकने की स्थिति सामने आई। आसपास हुए विकास कार्यों का असर पुरानी संरचना पर पड़ने की चर्चा है। ऐसे में आगे काम करना मुश्किल हो गया। अब स्मार्ट सिटी पहले बावड़ी की दीवारों को सुरक्षित और दुरुस्त कराने का काम कराएगी। इसके लिए अलग से टेंडर किया जाएगा। मोदी का चौपड़ा के पुनरुद्धार और विकास का ठेका ग्वालियर की सुदर्शन इंजीनियरिंग वर्क्स को दिया। कंपनी को 9 जुलाई 2025 को वर्कऑर्डर जारी किया। शुरुआत में बारिश के कारण काम शुरू नहीं हो पाया। अक्टूबर में काम शुरू हुआ, लेकिन संरचना की समस्या सामने आने के बाद फिर रोकना पड़ा। स्मार्ट सिटी की ओर से अंतिम निर्णय का इंतजार है। एक साल पहले भी जलभराव के कारण नहीं हो सका था काम मोदी का चौपड़ा में करीब एक साल पहले भी जलभराव के कारण काम को लेकर समस्या आई थी। उस समय दिल्ली की टीम और स्मार्ट सिटी अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया।

योग प्रशिक्षक के द्वारा स्कूल में बच्चों को बताए गए योग के गुर, कराया योगाभ्यास

दैनिक इंदौर संकेत

महिदपुर ● सांदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महिदपुर में योग प्रशिक्षक द्वारा विद्यार्थियों के लिए योग कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के बच्चों को विभिन्न योगासन एवं योगाभ्यास कराए तथा योग के महत्व के बारे में जानकारी दी।

योग प्रशिक्षक प्रदीप रघुवंशी ने विद्यार्थियों को नियमित योग करने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि योग शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों सहित विद्यालय का शिक्षकगण एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

सवारी मार्गों का चौड़ीकरण लगभग पूरा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● भगवान महाकाल की सवारी को लेकर अब तक सवारी मार्गों के चौड़ीकरण पर फोकस था। सवारी निकलने के बाद नगर निगम ने अब नए मार्गों के चौड़ीकरण की तैयारी तेज कर दी है। 5 प्रमुख मार्गों पर अलग-अलग प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। चौड़ीकरण के चलते कहीं सड़क की सेंट्रल लाइन मार्किंग हो चुकी है, कहीं भवनों को नोटिस दिए जा रहे हैं और कहीं ट्रैफिक डायवर्सन की स्थिति सामान्य होने के बाद काम शुरू करने की तैयारी है। तेलीवाड़ा से टंकी चौराहा के बीच 150 से 200 मीटर और दानी गेट क्षेत्र में 300 मीटर का शेष काम भी निगम द्वारा शुरू किया जा रहा है।

● खजूरवाली मस्जिद-गणेश चौक : खजूरवाली मस्जिद से गणेश चौक तक 730 मीटर मार्ग को 6 से 10 मीटर से बढ़ाकर 15 मीटर किया जाएगा। ट्रैफिक डायवर्सन के कारण काम रुका था।

● नीलकंठ द्वार-महाकाल चौराहा : 400 मीटर लंबे इस मार्ग को 24 मीटर चौड़ा किया जाना है। नपती और सेंट्रल लाइन मार्किंग हो चुकी है। इसमें 127 भवन प्रभावित होना प्रस्तावित है।

● गुदरी-हरसिद्धि पाल : गुदरी से हुए हरसिद्धि पाल तक 570 मीटर लंबा मार्ग 15 मीटर चौड़ा होगा। 14 करोड़ के काम में 136 भवन प्रभावित होना है।

● दो तालाब-शांतिनगर : 650 मीटर लंबे मार्ग की मौजूदा चौड़ाई 6 से 10 मीटर है। 18 मीटर किया जाना है। 120 मकान मालिकों को नोटिस दिए हैं। मार्ग पर नाली निर्माण का काम शुरू हो चुका है।

● चौबीस खंभा-छोटा रुद्रसागर : इस मार्ग के चौड़ीकरण के लिए भी संबंधित लोगों को नोटिस दिए जा चुके हैं। प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था पर सख्ती

ट्रैफिक सुधार के नाम पर केवल चालानी कार्रवाई पर हाईकोर्ट की फटकार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था, नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों और अवैध हूटर-सायरन के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा कि सड़कों पर प्रशासन के काम का असर नजर नहीं आ रहा है। यहां तक कि हाईकोर्ट के सामने भी लोग यातायात नियमों का उल्लंघन करते दिखाई देते हैं। न्यायालय ने यह भी सवाल उठाया कि केवल चालान काटने से यातायात व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है और शहर में लगातार जाम की स्थिति बनी रहती है।

सुनवाई न्यायमूर्ति संदीप भट्ट और न्यायमूर्ति गजेंद्र सिंह की खंडपीठ में हुई। याचिकाकर्ता महेश गर्ग की ओर से अधिवक्ता मनीष यादव और अधिवक्ता अनस मकरानी ने पिछली सुनवाई में पारित आदेश का हवाला देते हुए कहा न्यायालय ने प्रशासन से शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों की संख्या और प्रमुख चौराहों पर तैनात यातायात जवानों की जानकारी शपथपत्र के माध्यम से मांगी थी। न्यायालय ने यह भी कहा था कि जानकारी नहीं देने पर प्रमुख सचिव को उपस्थित होना पड़ सकता है।

सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से बताया गया कि शहर में 660 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और चौराहों पर यातायात जवानों की तैनाती की गई है। इस दावे पर याचिकाकर्ता की ओर से आपत्ति जताई गई। अधिवक्ताओं ने कहा कि कैमरे और जवान तैनात होने के बावजूद जमीनी स्तर पर यातायात व्यवस्था में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहा है।

गलत नंबर प्लेट और हूटर-सायरन पर सवाल

याचिका में शहर में बिना नंबर प्लेट, गलत नंबर प्लेट और नियम विरुद्ध हूटर-सायरन लगाकर चलने वाले वाहनों का मुद्दा उठाया गया है सुनवाई के दौरान कोर्ट ने भी कहा ऐसे वाहन अब भी सड़कों पर नजर आ रहे हैं। भारी वाहनों की दिन में एंट्री पर भी जवाब मांगा सुनवाई के दौरान शहर में भारी वाहनों के प्रवेश का मुद्दा भी उठा। न्यायालय ने पूछा कि भारी वाहनों की शहर में आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन की ओर से क्या व्यवस्था की गई है। कोर्ट ने इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का भी उल्लेख किया, जिसके तहत शहरों में भारी वाहनों के दिन के समय प्रवेश को नियंत्रित करने की बात कही गई है।

मामले में आधा दर्जन याचिकाएं लंबित

शहर की यातायात व्यवस्था से जुड़े इस व्यापक मामले में करीब आधा दर्जन याचिकाएं हाईकोर्ट में लंबित हैं। पूर्व की सुनवाइयों में भी यातायात नियमों के पालन, सीसीटीवी निगरानी, पुलिस बल की तैनाती और नियम तोड़ने वाले वाहनों पर कार्रवाई को लेकर प्रशासन से जवाब मांगा जा चुका है। अब सरकार को भारी वाहनों के प्रवेश सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत जवाब पेश करना है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर वाले सप्ताह में निर्धारित की है।

इंदौर जिला प्रशासन को 1500 करोड़ का झटका

हाईकोर्ट से सीलिंग जमीन आदेश खारिज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिला प्रशासन को 1500 करोड़ का झटका लगा है। जिला प्रशासन ने सोनगीर (हातोद) तहसील की कुछ सर्वे नंबर की जमीन को सीलिंग की बताते हुए विकास मंजूरी देने से मना किया था। अब इस पर हाईकोर्ट ने तल्ख आदेश दिया है।

इंदौर जिला प्रशासन द्वारा सोनगीर तहसील हातोद के कुछ सर्वे नंबर को सीलिंग की बताने के मामले में झटका लगा है। इसी के चलते शासन ने बीजेपी नेता नीलेश चौधरी की स्वास्तिक ग्रांड नाम की कॉलोनी की विकास मंजूरी निरस्त की थी। वहीं मेहुल पिता नवीन मेहता की ल्यूमिनियम कॉटोडिर कॉलोनी को भी विकास मंजूरी देने से इंकार किया था। इसके बाद चौधरी संभागायुक्त कोर्ट में गए और स्टे लेकर आए, वहीं ल्यूमिनियस वाले हाईकोर्ट गए थे।

कहां से शुरु हुआ विवाद

ल्यूमिनियस कॉरिडोर ने विकास मंजूटी के लिए जून 2026 में आवेदन किया। तब सामने आया कि आवेदन करने वाली जमीन में कुछ सर्वे नंबर साल 2006 से 2010 तक सीलिंग में दर्ज होकर सरकारी है। इन्हें सीलिंग से मुक्त 8 दिसंबर 2010 के आदेश से करते हुए निजी में दर्ज किया है। इसमें भू स्वामी और विकास मंजूटी चाहने वालों ने कहा कि यह जमीन 8 दिसंबर 2010 को निजी में दर्ज हो चुकी है और एसडीओ का आदेश है। लेकिन जब जिला प्रशासन ने इस आदेश की जांच कराई तो 8 दिसंबर 2010 का आदेश कहीं नहीं मिला। ना ही रजिस्टर में कहीं पर दर्ज है। इसके बाद विकास मंजूरी आवेदन निरस्त कर दिया। वहीं इसी आधार पर इन्हीं एक सर्वे नंबर के चलते स्वास्तिक ग्रेंड कॉलोनी की पूर्व में दी गई विकास मंजूटी भी निरस्त कर दी गई। यह बीजेपी नेता नीलेश चौधरी व उनके परिवार की है।

हाईकोर्ट में कॉलोनाइजर ने यह रखी बात

इंदौर हाईकोर्ट में ल्यूमिनियम कॉरिडोर पहुंचा। इसमें मध्य प्रदेश सरकार, अपर कलेक्टर कॉलोनी सेल और संयुक्त कलेक्टर कॉलोनी सेल को पक्षकार बनाया गया है। इसमें कॉलोनाइजर ने तर्क दिया कि सीलिंग की कार्रवाई बोर्ड ऑफ रिवेन्यू में जून 2004 में रद्द कर दी गई। इसके बाद कभी प्रशासन द्वारा इसके खिलाफ अपील नहीं की। वहीं हमने वैध जमीन खरीदी, नामांतरण, डायवर्सन, टीएंडसीपी पास सभी कराया, कहीं भी आपत्ति नहीं ली गई। खुद तहसीलदार ने ही डायवर्सन, नामांतरण में कहीं आपत्ति नहीं ली। अब एक पुराने आदेश 2010 नहीं मिलने के चलते हमारी मंजूरी रोकी जा रही है। हमे मंजूरी दी जाए और प्रशासन के जुलाई 2026 के विकास मंजूरी नहीं देने के आदेश को निरस्त किया जाए।

जिला प्रशासन ने यह रखी बात

प्रशासन ने बताया की सीलिंग एक्ट के तहत 1976 में कार्रवाई हुई। तब भू स्वामी हिंदू सिंह थे और उन्हें केवल 81 एकड़ जमीन रखने की पात्रता थी। बाकी 151 एकड़ सीलिंग में घोषित हुई। साल 1982 व 1984 व 1988 में भी आदेश हुए। बोर्ड ऑफ रिवेन्यू ने भी साल 2003 में हिंदू सिंह की याचिका खारिज कर दी। बोर्ड ने साल जून 2004 में उनके उत्तराधिकारियों की याचिका मंजूरी की और सीलिंग कार्रवाई रद्द की, लेकिन इसमें 151 एकड़ को राहत देने की बात नहीं थी।

हॉस्टल के मेस में बार-बार कीड़े मिलने से नाराज छात्राओं का चार घंटे प्रदर्शन

सेज विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार के आश्वासन के बाद खत्म हुआ आंदोलन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सेज विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल की मेस में बार-बार भोजन में कीड़े मिलने की शिकायत को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। आंदोलन में बड़ी संख्या में छात्राएं भी शामिल हुईं। छात्राओं का कहना था कि पहले भी खाने में कीड़े निकलने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इससे उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी हुई है। उन्होंने मेस की व्यवस्था तत्काल बदलने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने हॉस्टल में चिकित्सा सुविधाओं की कमी का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना था कि हॉस्टल में बनाया गया मेडिकल रूम लंबे समय से बंद है और उस पर ताला लगा हुआ है। ऐसे में किसी छात्रा की तबीयत अचानक खराब होने पर तत्काल चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पाती। करीब चार घंटे चले प्रदर्शन के बाद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार मौके पर पहुंचे। उन्होंने एबीवीपी पदाधिकारियों और छात्राओं से चर्चा की। रजिस्ट्रार ने आश्वासन दिया कि गर्ल्स हॉस्टल की मेस के वर्तमान ठेकेदार को बदलने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही बंद मेडिकल रूम को तत्काल खुलवाकर वहां डॉक्टर की व्यवस्था करने की बात कही। एबीवीपी महानगर मंत्री देवेश गुर्जर ने कहा कि छात्राओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा से किसी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मूसाखेड़ी और क्रिस्टल आईटी पार्क चौराहे पर निर्माण की कछुआ चाल

तय सीमा के बाद भी अधूरे फ्लाईओवर बने वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब...

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की रफ्तार बढ़ाने के लिए रिंगरोड और प्रमुख चौराहों पर बन रहे फ्लाईओवर अब वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। मूसाखेड़ी चौराहे पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर का 40 फीसदी से अधिक काम बाकी है, जबकि रिंगरोड-खंडवा रोड स्थित क्रिस्टल आईटी पार्क चौराहे के ओवरब्रिज का करीब आधा काम ही पूरा हो पाया है। अधूरे निर्माण और संकरी सर्विस रोड के कारण सुबह-शाम दोनों स्थानों पर लंबा जाम लग रहा है। बारिश में गड्ढों और जलभराव से दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है।

मूसाखेड़ी में कछुआ चाल

मूसाखेड़ी फ्लाईओवर के निर्माण की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए इसके पूरा होने में एक साल से अधिक समय लगने की आशंका है। कुछ समय पहले कलेक्टर शिवम वर्मा ने मौके का निरीक्षण कर एमपीआरडीसी अधिकारियों को काम तेज करने के निर्देश दिए थे, लेकिन स्थिति में खास बदलाव नहीं आया। चौराहे के मध्य पिलर का काम अभी पूरा नहीं हुआ है। एक तरफ गर्डर लॉन्चिंग शुरू हुई है, जबकि दोनों हिस्सों को जोड़ने के बाद एप्रोच रोड, बाउंड्री और अन्य काम भी बाकी हैं। फ्लाईओवर को मौजूदा सड़क से जोड़ने वाली दोनों तरफ की एप्रोच रोड भी अधूरी है। पुलिस पेट्रोल पंप और आईटी पार्क की ओर से आने वाले रास्तों पर सड़क का बेस तक तैयार नहीं हो पाया है।

63 करोड़ का ओवरब्रिज भी पिछड़ा

क्रिस्टल आईटी पार्क चौराहे पर 63.32 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा ओवरब्रिज भी तय समयसीमा से पीछे चल रहा है। मार्च 2024 में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट को जून 2026 तक पूरा होना था, लेकिन अब तक करीब 50 फीसदी काम ही हुआ है। देअविवि, आईटी पार्क और तेजाजीनगर रोड पर स्कूल-कॉलेज होने से यहां दिनभर यातायात का दबाव रहता है।

देवास से पीथमपुर-महू जाने वालों पर ज्यादा असर

मूसाखेड़ी चौराहा देवास से पीथमपुर-महू की ओर जाने वाले नौकरीपेशा, कारोबारी और अन्य वाहन चालकों के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। बायपास की तुलना में यह रास्ता समय और ईंधन बचाता है, लेकिन रोज लगने वाले जाम से यह फायदा खत्म हो रहा है। शाम के समय इंटरसिटी बसों के दबाव से स्थिति और बिगड़ जाती है।

सर्विस रोड पर दोनों तरफ का ट्रैफिक

निर्माण एजेंसी ने करीब एक माह पहले वैकल्पिक सर्विस रोड तैयार कर दी थी, लेकिन उस पर यातायात शुरू नहीं किया गया। लिहाजा दोनों दिशाओं का ट्रैफिक एक ही सर्विस रोड से गुजर रहा है। सुबह-शाम वाहनों की कतार लग रही है। बारिश होते ही सर्विस लेन में जलभराव और फिसलन की स्थिति बन जाती है।

परीक्षा प्रणाली और परिणाम जारी करने की प्रक्रिया में लापरवाही

बीए अंतिम वर्ष के रिजल्ट में 'विथहेल्ड' एमए में प्रोविजनल प्रवेश लेने वाले परेशान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली और परिणाम जारी करने की प्रक्रिया में लगातार बरती जा रही लापरवाही का खामियाजा एक बार फिर विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। मंगलवार को बीए अंतिम वर्ष के परिणाम से जुड़ा मामला सामने आया, जहां सब कुछ सामान्य होने के बावजूद छात्र के रिजल्ट पर 'विथहेल्ड' दर्ज कर दिया गया। तकनीकी और प्रशासनिक गड़बड़ी के कारण एमए में प्रोविजनल प्रवेश लेने वाले छात्र परेशान हो रहे हैं। वहीं एक छात्र अपने भाई के साथ पहुंचा उसने बताया कि बीए थर्ड ईयर में उसे एक विषय में पूरक आई है, लेकिन डिवीजन वाले कॉलम में विथहेल्ड लिखा हुआ है। जबकि कई छात्र ऐसे भी है जो पास है लेकिन उनके रिजल्ट में विथहेल्ड लिखा हुआ है। विश्वविद्यालय में हर मंगलवार को छात्रों की समस्या हल करने के लिए जनसुनवाई होती है। मंगलवार को सुबह 10.30 बजे से छात्र पहुंचना शुरू हो गए। जनसुनवाई का समय सुबह 11.30 से है, लेकिन जिम्मेदार 12 बजे तक पहुंचे। छात्रों का कहना हैं कि हमारी समस्या हल करने वाले जवाबदार ही देर से पहुंचते हैं। तय समय में नहीं दिए दस्तावेज तो रद्द हो जाएगा एडमिशन: नियम अनुसार यदि तय समय सीमा के अंदर अंतिम वर्ष का उत्तीर्ण परिणाम और अंकसूची प्रस्तुत नहीं की जाती है, तो प्रोविजनल प्रवेश स्वत: रद्द माना जाता है। ऐसे में समय पर परिणाम न मिलने और मार्कशीट पर 'विथहेल्ड' का ठप्पा होने से छात्र का पूरा शैक्षणिक वर्ष खराब हो सकता है।

दो विषय में सप्लीमेंट्री

बीए प्रथम और द्वितीय वर्ष में पास होने वाले छात्र रंजीत डावर ने अंतिम वर्ष की परीक्षा दी। तृतीय वर्ष में उन्हें फाउंडेशन और इतिहास विषय में सप्लीमेंट्री (पूरक) आई। रंजीत ने बताया उन्होंने एमए में प्रोविजनल एडमिशन लिया है, क्योंकि सप्लीमेंट्री का परिणाम घोषित नहीं हुआ है। कॉलेजों में दस्तावेज जमा करने और प्रोविजनल प्रवेश को पक्का करने की प्रक्रिया फिलहाल जारी है।

नसिया रोड पर हफ्तेभर पहले लगाए पेवर्स धंसे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में सड़क धंसने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब नसिया रोड पर ड्रेनेज लाइन डालने के बाद लगाए गए पेवर्स बारिश के बाद धंसने लगे हैं। कई जगह सड़क नीचे बैठ गई है तो कहीं पेवर्स ऊपर-नीचे हो गए हैं। व्यापारियों के मुताबिक कुछ स्थानों पर पेवर्स करीब तीन फीट तक अंदर धंस गए हैं। नसिया रोड पर बड़ी संख्या में दुकानें हैं और दिनभर लोगों के साथ लोडिंग वाहनों की आवाजाही रहती है। वहीं, पास के छावनी क्षेत्र में सड़क निर्माण का काम चलने से इस मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव भी बढ़ गया है। सड़क की बदहाल स्थिति से वाहन चालकों के साथ व्यापारियों को भी परेशानी हो रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।